सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 233 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 06 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

दुर्ग में धान खरीदी केंद्र में लगी आग, 100 क्विंटल से ज्यादा धान जलकर खाक

भिलाई। दुर्ग जिले के नंदिनी थाना क्षेत्र स्थित कोड़िया धान खरीदी केंद्र में शनिवार को अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने तेजी से धान के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में 100 क्विंटल से ज्यादा धान जलकर खाक हो गया। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि पास में ही पराली जलाने से यह आग धान संग्रहण केंद्र तक फैल गई थी। जिसकी वजह से यह नुकसान हुआ है। जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। आग इतनी तेज थी कि उसे नियंत्रित करने में टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब कई घंटों की कोशिश और पांच गाड़ी पानी की मदद से आखिरकार आग पर काबू पाया गया।

अमेरिका में छाया भारतीय आमों का जादू: दो घंटे में बिका पूरा स्टॉक

न्यूयॉर्क। भारतीय आम का स्वाद अब अमेरिका में भी लोगों को खूब पसंद आने लगा है। अमेरिका के सिएटल शहर में भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित मैंगो मैजिक कार्यक्रम में भारतीय आमों की ऐसी धूम मची कि अमेरिकी ग्राहक और बड़े रिटेल कारोबारी भी इसके दीवाने हो गए। कार्यक्रम में भारत की सात प्रीमियम आम किस्मों को पेश किया गया, जिनमें अल्फांसो, केसर, दशहरी और लंगड़ा जैसे मशहूर आम शामिल थे। खास बात यह रही कि अमेरिकी रिटेल कंपनी कॉस्टको के स्टोर में भारतीय आम पहुंचते ही सिर्फ दो घंटे के भीतर पूरा स्टॉक बिक गया। इससे साफ हो गया कि भारतीय आमों की मांग अब वैश्विक बाजार में तेजी से बढ़ रही है।

पूर्व सीएम राबड़ी ने आवास से सुरक्षाकर्मियों को लौटाया

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की सुरक्षा व्यवस्था में किए गए बदलाव को लेकर राज्य की राजनीति गरमा गई है। राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास को खाली करने को लेकर सरकार से टकराव के बीच शनिवार को उन्होंने सभी सुरक्षाकर्मियों को वापस भेज दिया। शनिवार सुबह राबड़ी देवी के सरकारी आवास के बाहर कोई सुरक्षाकर्मी नजर नहीं आया और परिसर के बाहर सन्नाटा पसरा रहा। राजद ने सुरक्षा में कटौती को लेकर बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला है। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सुरक्षा वापस कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने अपने आका के निर्देश पर लालू-राबड़ी परिवार की सुरक्षा में भारी कटौती की है।

इबोला को लेकर छत्तीसगढ़ अलर्ट : स्वास्थ्य मंत्री बोले- क्वारंटाइन किए गए लोगों में लक्षण नहीं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इबोला वायरस संक्रमण की आशंका को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा है कि राज्य सरकार पिछले एक महीने से संभावित खतरे को देखते हुए सभी स्तरों पर तैयारियों में जुटी हुई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिलहाल प्रदेश में इबोला संक्रमण का कोई पुष्ट मामला सामने नहीं आया है।

तीन विदेशी नागरिक क्वारंटाइन

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि दुर्ग जिले में एहतियातन तीन विदेशी नागरिकों को आइसोलेशन और क्वारंटाइन में रखा गया है। ये तीनों अफ्रीकी देशों के नागरिक हैं और निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत 21 दिनों तक निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा कि अब तक की जांच में किसी भी व्यक्ति में इबोला वायरस की पुष्टि नहीं हुई है और न ही उनमें संक्रमण से जुड़े कोई लक्षण पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई के लिए सभी व्यवस्थाएं तैयार हैं।

सीएम हेल्पलाइन से बढ़ेगा जनता का भरोसा

राज्य में शुरू की जा रही सीएम हेल्पलाइन को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह पहल आम नागरिकों की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि कई बार लोगों की समस्याएं उच्च स्तर तक नहीं पहुंच पातीं, लेकिन हेल्पलाइन व्यवस्था से नागरिक सीधे अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। इस व्यवस्था से शिकायतों की निगरानी बेहतर होगी और लोगों का सरकार पर भरोसा भी मजबूत होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीएम हेल्पलाइन शासन और जनता के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाएगी।

रायपुर में सेंट्रल बैंक जोनल ऑफिस में भीषण आग महत्वपूर्ण डॉक्यूमेंट्स और रिकॉर्ड जलकर खाक

कड़ी मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू, जांच में जुटे पुलिस व बैंक के अधिकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के बॉम्बे मार्केट स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के जोनल कार्यालय में शनिवार सुबह अचानक आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और कार्यालय के रिकॉर्ड जलकर नष्ट हो गए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक शनिवार सुबह करीब 9 बजे बैंक के जोनल कार्यालय से धुआं निकलता दिखाई दिया। कुछ ही देर में आग की लपटें भी उठने लगीं। कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों और आसपास

के लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दी। घटना के समय कार्यालय परिसर में सफाई का काम चल रहा था। देखते ही देखते आग ने कार्यालय के एक हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग फैलने से कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत बाहर निकलकर खुद को सुरक्षित किया।

दमकल टीम ने आग पर पाया नियंत्रण

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। दमकल कर्मियों ने तेजी से कार्रवाई करते हुए आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोक लिया। कुछ समय की कड़ी मशक्कत के बाद स्थिति पूरी तरह नियंत्रित कर ली गई। फायर विभाग के अधिकारियों के अनुसार समय रहते आग पर काबू पा लेने से बड़ा हादसा टल गया। आसपास के हिस्सों को भी सुरक्षित कर लिया गया ताकि आग दोबारा न भड़के।

शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट को हादसे की वजह माना जा रहा है। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने भी मौके का निरीक्षण किया और घटना से जुड़े तथ्यों को जुटाना शुरू कर दिया है। फायर विभाग और पुलिस की संयुक्त जांच रिपोर्ट के बाद पूरे मामले की स्पष्ट जानकारी सामने आएगी।

महत्वपूर्ण दस्तावेजों को नुकसान

घटना के बाद बैंक प्रबंधन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है। आग में कई जरूरी दस्तावेज और कार्यालयीन रिकॉर्ड जलने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि कितने दस्तावेज प्रभावित हुए हैं और कितना आर्थिक नुकसान हुआ है। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बैंक प्रबंधन नुकसान का पूरा आकलन करने में जुटी हुई हैं।

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में फर्जी नामांतरण पर बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई, पटवारी निलंबित

जीपीएम। मरवाही तहसील के ग्राम मगुरदा में आदिवासी परिवार की पैतृक भूमि का फर्जी नामांतरण हुआ। इस मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर संतोष कुमार देवांगन ने जांच प्रतिवेदन के आधार पर सख्त निर्देश दिए हैं। इसके बाद हल्का पटवारी रवींद्र कश्यप को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। तहसीलदार प्रीति शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी हुआ है। मामले में संलिप्त महेश साकत के विरुद्ध एफ्आईआर दर्ज कराने के निर्देश मिले हैं।

यह शिकायत ग्राम सेमरदर्दी निवासी सावन सिंह वाकरे और अन्य ने की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी आदिवासी भूमि का फर्जी दस्तावेजों से नामांतरण हुआ। भूमि को अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज कर बेचने की तैयारी थी। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मरवाही की जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। यह कार्रवाई भू-माफ्रियाओं के विरुद्ध कड़ा संदेश देती है। जांच में पाया गया कि पटवारी ने नामांतरण आवेदन पर कार्रवाई नहीं की। विवादित मामले को अविवादित बताकर ऑनलाइन भुइयां पोर्टल में दर्ज किया गया। नामांतरण प्रक्रिया में आवश्यक नोटिस जारी नहीं हुए। संबंधित पक्षों को सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया गया।

डिप्टी सीएम साव ने किया केशकाल बायपास का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने रायपुर-जगदलपुर मार्ग पर बहुप्रतीक्षित केशकाल घाट फोरलेन बायपास रुट का निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के साथ बायपास के दोनों छोरों का निरीक्षण कर बायपास के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। श्री साव ने अधिकारियों से कहा कि बस्तर और छत्तीसगढ़ के लिए यह बायपास अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका तेजी से निर्माण कर आवाजाही शुरू करना सरकार की प्राथमिकता में है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा 308 करोड़ रुपए की लागत से 11.38 किमी लंबे केशकाल घाट बायपास का निर्माण किया जा रहा है। इस बायपास में दो वृहद और दो मध्यम पुल भी बनाए जाएंगे।

समय सीमा में गुणवत्ता पूर्ण कार्य का निर्देश

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कोंडागांव जिले के केशकाल शहर में केशकाल से सलना तक सड़क मजबूतीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने के निर्देश दिए। डिप्टी सीएम साव नजदीक के बेड़मा गांव में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल अर्पण कार्यक्रम में भी शामिल हुए। विधायक नीलकंठ टेकाम और कलेक्टर नुपुर राशि पन्ना भी कार्यक्रम में शामिल हुईं।

आयरलैंड व इंग्लैंड दौरे के लिए सूर्यवंशी की सीनियर टीम में एंट्री, सूर्या की जगह श्रेयस अय्यर बने नए कप्तान

नईदिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के साथ ही सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों के लिए भी टीम का चयन कर दिया। सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान बन गए हैं, जबकि 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को सीनियर टीम में पहली बार जगह मिल गई है।

भारत को 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 व इंग्लैंड के खिलाफ एक जुलाई से होने वाली सीमित ओवरों की सीरीज में पांच टी20 और तीन वनडे मैच खेले जाने हैं। वहीं, सितंबर-अक्टूबर में जापान में एशियाई खेल होने हैं जिसमें भारत अपने खिताब का बचाव करने उतरेगा।

आयरलैंड व इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

नक्सलियों का हथियार और डंप बरामद, इंसास और एसएलआर हथियार के कारतूस भी मिले

सुकमा। जिले में किस्टाराम के कुम्माडोंग जंगल-पहाड़ी इलाके में पुलिस ने नक्सलियों के छिपाकर रखे गए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री का डंप बरामद किया है। बरामद सामग्री में एक इंसास रायफल, 49 इंसास सकारतूस, 12 एसएलआर कारतूस, 27 नग .303 कारतूस, 16 नग 8 एमएम कारतूस, 7 मस्केट कारतूस और 7 नग 12 बोर कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा दो बंडल कॉर्डेक्स वायर (करीब 30 मीटर), तीन इंसास मैग्जीन, 6 वायरलेस सेल, एक पोच और एक स्टील का डिब्बा भी मिला है।

छत्तीसगढ़ में मानसून की आहट तेज, बस्तर में बरस रहे बादल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। दक्षिणी जिलों में प्री-मानसून गतिविधियां सक्रिय हो चुकी हैं और कई क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई है, लेकिन राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के मध्य हिस्सों को अभी भी राहत देने वाली बारिश का इंतजार है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले दिनों में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

प्रदेश के दक्षिणी और वनांचल क्षेत्रों में लगातार नमी पहुंचने से मध्य छत्तीसगढ़ के शहर अब भी तेज धूप और उमस से जूझ रहे हैं। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां लगातार अनुकूल बनी हुई हैं। अगले दो से तीन दिनों में मानसून के महाराष्ट्र, गोवा, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और बंगाल की खाड़ी के अतिरिक्त हिस्सों तक पहुंचने की संभावना है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ में भी मौसम गतिविधियों में तेजी आने के संकेत मिल रहे हैं।

पांच दिन जारी रह सकती हैं मौसम गतिविधियां

मौसम विभाग का कहना है कि अगले पांच दिनों तक प्रदेश के एक-दो स्थानों पर मेघगर्जन, वज्रपात, तेज हवाएं और बारिश की स्थिति बनी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटे में प्रदेश का सर्वाधिक तापमान बिलासपुर में 42.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। सबसे कम तापमान पेंड्रा रोड में 23.4 डिग्री दर्ज हुआ।

बड़ा हादसा: दो हिस्सों में बंटी नई दिल्ली-कटरा ट्रेन धमाके के साथ टूटा स्लीपर कोच का टॉयलेट

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना रेलवे स्टेशन पर शनिवार सुबह एक बड़ा रेल हादसा होने से हड़कंप मच गया। नई दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा जा रही स्पेशल ट्रेन (04081) जैसे ही स्टेशन से रवाना होने लगी, अचानक दो डिब्बों को आपस में जोड़ने वाली कपलिंग टूट गई।

कपलिंग टूटने से जोरदार धमाका हुआ और स्लीपर कोच का टॉयलेट क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेन के दो हिस्सों में बंटते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए यहां-वहां भागने लगे। हालांकि लोगों का कहना है कि धमाके की आवाज से डिब्बा टूटा है और पुलिस अधिकारी अभी तक इस मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

उनका कहना है कि जांच जारी रहने तक कुछ भी नहीं कहा जा सकता कि डिब्बा धमाके से टूटा है या फिर कंपलिंग टूटने से धमाके की आवाज आई है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शनिवार सुबह जब न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल ट्रेन लुधियाना स्टेशन से अभी चलना शुरू ही हुई थी कि अचानक एक जोरदार आवाज सुनाई दी। यह आवाज इतनी तेज थी कि यात्रियों को किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ। कपलिंग टूटने के झटके के कारण स्लीपर कोच का शौचालय बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। अचानक हुए इस वाकये से पूरी ट्रेन में चीख-पुकार मच गई और यात्री घबराहट में कोच से बाहर की तरफ भागने लगे।

संपादकीय

धीमे जहर के कारोबारी

मुनाफे के लिये मिलावट घोषित हो अपराध

यह इंसान के पतन की पराकाष्ठा ही है कि समाज में बच्चों, वृद्धों, बीमारों व कमजोर लोगों के स्वास्थ्यवर्धन हेतु डॉक्टर दूध-घी-फल लेने को कहे, लेकिन जब उन्हें ये मिले तो उसमें भारी मिलावट पायी जाए। लोग अस्पतालों में बीमारियों से जूझते अपने परिजनों को शीघ्र ठीक करने के लिये दूध व जूस आदि देते हैं, लेकिन उनमें भी यदि घातक रसायन मिले होंगे, तो वे कैसे ठीक हो सकते हैं?

पिछले दिनों राजस्थान से अलीगढ़ लाया जा रहा सैकड़ों किलो घी बरामद हुआ। हापुड़ में करीब 22 लाख का नकली शहद पकड़ा गया। सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं।

> सोमनाथ में किडनी-लीवर को नुकसान पहुंचाने वाला यूरिया, डिटर्जेंट व कास्टिक सोडा मिला तीन हजार लीटर दूध बरामद होने की खबरें मीडिया में तैरती रहीं। आखिर लोभी मनुष्य के पतन की कोई सीमा भी है? चंद रुपयों के मुनाफे के लिये हम अपना दीन-ईमान बेचने के लिये कैसे तैयार हो जाते हैं? जीवन रक्षक दवा से लेकर खानपान में मिलावट की लगातार आने वाली खबरें विचलित करती हैं कि क्या खाएं और क्या न खाएं। पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है।

पहले कहा जाता था कि ऊपर वाले से डर के कह रहा हूं। लोगों में नैतिकता का भाव होता था। समाज में धारणा थी कि दूसरों के लिये कुंआ खोदने वाला खुद के लिये खाई खोद रहा होता है। लेकिन आखिर समाज में ऐसा क्या हुआ कि लोगों में दुनिया की रचना करने वाले का भय व लोककल्याण का भाव खत्म हो गया। निश्चय ही ये रामराज जैसा वक्त नहीं है। हर दौर में अच्छे-बुरे लोग होते ही हैं। नकारात्मक सोच व दूसरों को कष्ट देकर खुश होने वाले रुग्ण मानसिकता के लोग हर काल खंड में पाये जाते रहे हैं। लेकिन उनका प्रतिशत कम रहा है। आज तो हर व्यक्ति मुनाफे से रातों-रात धनी हो जाना चाहता है,अब चाहे किसी की जान भी जाए, उसकी बला से। निस्संदेह, ये घटनाएं किसी सभ्य के माथे पर कलंक जैसी ही हैं।

हम अक्सर सुनते हैं कि फलों को तुरत-फुरत पकाने वाले रसायनों का जमकर प्रयोग किया जा रहा है। हरी सब्जी व फलों को घातक रसायन से चमकदार बनाया जा रहा है। दरअसल, तुरंत फसल लेने के लिये ऐसे घातक रसायन प्रयोग किए जा रहे हैं, जिन पर तमाम सभ्य समाजों में पूर्ण प्रतिबंध है। लेकिन हमारे देश में ऐसा नियामक तंत्र विकसित ही नहीं हो पाया है, जो ऐसे मामलों में तुरत-फुरत जांच करे और तत्काल मिलावटखोरों को सजा दिलाए। विडंबना यह भी है कि हमारे समाज में स्वयं सेवी संगठन या जागरूक लोग इस गंभीर संकट के प्रति संवेदनशील नहीं हैं।

शासन-प्रशासन से पूछा जाना चाहिए कि हर शहर में मिलावटी सामान की जांच करने वाली लैब की सहज उपलब्धता क्यों नहीं है? जिन विभागों के अधिकारियों के पास जांच-पड़ताल का दायित्व होता है, वे चुप क्यों रहते हैं? दीपावली व अन्य त्योहारों पर जनाक्रोश के चलते कुछ छोटे हलवाइयों पर कार्रवाई होती है, मगर बड़ी मछलियां साफ बच निकलती हैं। क्या इन अधिकारियों की खामोशी में चांदी के जूते की चोट शामिल होती है? यह किसी से नहीं छिपा कि ये मलाईदार पोस्ट कितने लेन-देन के बाद मिलती हैं। राजनेताओं से लेकर अधिकारियों तक को लेन-देन के बाद ही उनकी पांचों उंगलियां घी में होती है। फिर वे भी नियुक्ति में किए गए निवेश की वसूली में जुट जाते हैं। निश्चय ही एक कारगर तंत्र को विकसित किए बिना इस घृणित कारोबार पर लगाम लगना संभव नहीं है। हम जानते हैं कि जब से देश में सीसीटीवी कैमरों का प्रयोग बढ़ा है, लाखों सच सामने आए हैं। अन्यथा ये सच कभी अनावृत न होते। ऐसी ही कोई कारगर तकनीक मिलावट रोकेगी। जयपुर के खाद्य सुरक्षा विभाग ने पिछले दिनों पैकेज्ड फूड आइटम्स पर लिखी एक्सपायरी डेट मिटाने वाले अत्याधुनिक उपकरण बरामद किए। तो ऐसे में एक्सपायरी डेट देखकर सामान खरीदने वाला आम आदमी क्या करेगा? निश्चय ही अनैतिक रूप से मुनाफा कमाने वाले लोग सख्त सजा के हकदार हैं। देश में मिलावटखोरी रोकने के लिए तुरंत सख्त कानून बनाने की जरूरत है। अन्यथा अस्पतालों में मिलावटी खाद्य पदार्थों से लीवर-किडनी खराब करवाने वाले मरीजों की लंबी कतारें हमारे समाज की हकीकत बनी रहेगी।

नए भारत के दिल की धड़कनों में बसते हैं बिरसा

रंजना चोपड़ा

भारत जब अपने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों को याद करता है तब छोटानागपुर के जंगलों से एक नाम अपनी दृढ़ नैतिक ताकत के साथ उभरता है। यह नाम भगवान बिरसा मुंडा का है जिन्हें 'धरती आबा' यानी भूमि के रक्षक के रूप में पूजा जाता है। वह एक ऐतिहासिक हस्ती से आगे बढ़ कर गरिमा, प्रतिरोध और जनजातीय आत्मसम्मान के जीवंत प्रतीक भी हैं। उनकी सोच थी कि जनजातीय पहचान की रक्षा की जाए, समानता सार्थक हो और विकास आम जन तक न्याय के साथ पहुंचे। उनका यह सिद्धांत अब भी विकसित भारत की ओर देश की यात्रा को निर्देशित करता है। राष्ट्र ने पिछले 12 वर्षों में समावेशी विकास पर नए सिरे से बल दिया है। बिरसा मुंडा के सिद्धांत आज भी नए भारत की नीतियों, शासन और आकांक्षाओं को आकार दे रहे हैं।

विरासत को मिला उसका सही स्थान

भगवान बिरसा मुंडा की विरासत देश भर में जनजातीय समुदायों के गीतों, आख्यानों, सामूहिक यादों में लंबे समय से जिंदा है। माननीय प्रधानमंत्री ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्म दिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर उनकी विरासत को राष्ट्रीय मान्यता दी। इस मान्यता को और गहराई देते हुए बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया गया। इस दौरान जनजातीय गौरव और विरासत के जश्न में समूचे राष्ट्र में 2 लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनकी पहुंच 3 करोड़ से अधिक नागरिकों तक रही।

देश भर में, इन आयोजनों ने जनजातीय जीवन की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित किया। नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव और केरल के जनजातीय साहित्यिक महोत्सव से लेकर, झारखंड के राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव और तेलंगाना की 'कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप' (डोंगी चालन प्रतियोगिता) तक, इन कार्यक्रमों ने जनजातीय संस्कृति, रचनात्मकता, खेल और लोककथाओं को राष्ट्रीय पटल पर खड़ा किया। कुल मिलाकर, इनमें अलग-अलग संस्कृतियों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 11 लाख से अधिक जनजातीय नागरिकों की भागीदारी देखी गई। ये आयोजन इस बात की घोषणा थे कि आधुनिक भारत को आकार देने में जनजातीय विरासत एक जीवंत और सक्रिय शक्ति है। जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशन की दिशा में पिछले बारह वर्षों के निरंतर और केंद्रित राष्ट्रीय प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, 'जनजातीय गरिमा उत्सव 2026' इस गति को चार विषयगत सप्ताहों के माध्यम से आगे ले जा रहा है, जो मिलकर जनजातीय विकास के संपूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। विशेष रूप से इसका तीसरा सप्ताह भारत के भविष्य से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न पर केंद्रित है: हम उन व्यक्तियों और समुदायों को कैसे पहचानें जिन्होंने इस राष्ट्र को आकार दिया और हम आने वाली पीढ़ी को उस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कैसे सशक्त बनाएं?

इतिहास में विस्मृत नामों की पुनर्स्थापना

इस प्रश्न का उत्तर तलाशने की शुरुआत उन अनेक जनजातीय नायकों को पहचान देने से होती है, जिनका योगदान बहुत लंबे समय तक मुख्यधारा के ऐतिहासिक आख्यानों से गायब रहा। देश के जनजातीय क्षेत्रों में, शिक्षकों, कलाकारों, पारंपरिक चिकित्सकों और समाज सुधारकों की पीढ़ियों ने इन समुदायों को संजो कर रखा है और उनकी सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा है। उनकी कहानियाँ भारत की राष्ट्रीय स्मृति में एक सही और न्यायसंगत स्थान की हकदार हैं और उनके इन योगदानों को दस्तावेजों में दर्ज करने तथा उन्हें याद रखने के निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

देश भर के जनजातीय अनुसंधान संस्थान (टीआरआई) मौखिक इतिहास का दस्तावेजीकरण करने, स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों को रिकॉर्ड करने और जनजातीय भाषाओं व सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने के प्रयास में एक केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। वर्तमान में, 26 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 29 जनजातीय अनुसंधान संस्थान इस कार्य में जुटे हुए हैं, जिसके तहत 222 जनजातीय भाषाओं में 355 का प्रारंभिक दस्तावेजीकरण किया जा चुका है। ये प्रयास भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य सांस्कृतिक ज्ञान को संजोकर रखने में मदद कर रहे हैं।

राष्ट्रीय विमर्श में जनजातीय आवाज़ों को फिर से स्थापित करने का प्रयास 'जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों' के माध्यम से भी आकार ले रहा है, जिनकी परिकल्पना स्मृति और पहचान के स्थलों के रूप में की गई है। जनजातीय कार्य मंत्रालय ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समुदायों की भूमिका को सम्मानित करने के लिए 10 राज्यों में ऐसे 11 संग्रहालयों को मंजूरी दी है। इनमें से चार संग्रहालयों का उद्घाटन पहले ही किया जा चुका है, जिनमें रांची में भगवान बिरसा मुंडा और नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह को समर्पित संग्रहालय शामिल हैं। इन संस्थानों के जरिए जनजातीय वीरों की गाथाओं के दस्तावेजीकरण और उन पर आधारित कार्यक्रमों के आयोजन से इन्हें भारत की सामूहिक ऐतिहासिक याद में स्थाई रूप से पिरोया जा रहा है।

मशाल थामने वालों को सशक्तिकरण

अतीत को सम्मानित करने के साथ ही, यह यात्रा स्वाभाविक रूप से वर्तमान पीढ़ी को सशक्त बनाने की ओर बढ़ती है। यह बदलाव उन जनजातीय छात्रों की बढ़ती संख्या में सबसे स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जिन्हें मंत्रालय के छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का लाभ मिल रहा है। अकेले चालू वर्ष में ही, पांच छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 26,01,979 जनजातीय छात्रों को सहायता प्रदान की गई है, जिसके लिए कुल 3825.54 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। इनमें से कई छात्र अपने परिवारों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं, जो न केवल अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाओं को, बल्कि पूरे समुदाय की आशाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

विशेष बात यह है कि वर्तमान छात्रवृत्ति लाभार्थियों में से 56त्न से अधिक महिलाएं हैं। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों (ईएमआरएस) का विस्तार भी शिक्षा तक पहुँच और अवसरों के प्रति इसी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। स्वीकृत ईएमआरएस संस्थानों की संख्या वर्ष 2013-14 के 167 से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 723 हो गई है, जो 330% से अधिक की वृद्धि है - जबकि इसी अवधि के दौरान पहले से चल रहे स्कूलों की संख्या 123 से बढ़कर 499 हो गई है। छात्रों के नामांकन में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जो 0.34 लाख से बढ़कर 1.56 लाख छात्र हो गई है। जनजातीय क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा प्रदान करके, ईएमआरएस संस्थान मजबूत शैक्षिक नींव तैयार करने और देश भर के जनजातीय बच्चों के लिए अवसरों का विस्तार करने में मदद कर रहे हैं।

ये आंकड़े केवल योजनाओं के विस्तार को ही नहीं दर्शाते; बल्कि ये एक बड़े संरचनात्मक बदलाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। छात्रवृत्तियाँ और फेलोशिप वास्तव में आत्मविश्वास, प्रतिनिधित्व और नेतृत्व में किया जाने वाला निवेश हैं। हमारी प्रतिबद्धता अडिग है: किसी भी आदिवासी छात्र को भौगोलिक स्थिति, पृष्ठभूमि या शिक्षण संस्थानों तक सीमित पहुँच के कारण अवसरों से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

महिला सशक्तिकरण की सबसे सच्ची अभिव्यक्ति

शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे इस बदलाव के साथ-साथ, जनजातीय महिलाओं के नेतृत्व में भी जमीनी स्तर पर एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। पीढ़ियों से, जनजातीय महिलाएं अपनी संस्कृति, प्राकृतिक संसाधनों और सामुदायिक जीवन की मूक संरक्षक रही हैं वे परिवारों और परंपराओं को सहेजती आई हैं। भारत में लगभग 5.20 करोड़ जनजातीय महिलाएं हैं, जो कुल जनजातीय आबादी का लगभग आधा हिस्सा हैं। समावेशी विकास में उनका नेतृत्व अब मुख्य भूमिका निभा रहा है।

वर्तमान में, 4,712 वन धन विकास केंद्र स्वीकृत किए जा चुके हैं, जिनमें से 3,365 कार्यरत हैं। इनसे 12.9 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं और इन लाभार्थियों में आधे से अधिक संख्या महिलाओं की है। ये प्रयास एक ओर जहाँ जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जनजातीय महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।

आगे बढ़ती हुई विरासत

समारोह, स्मरण, शिक्षा और महिला नेतृत्व मिलकर एक बड़ी और निरंतर आगे बढ़ने वाली कहानी का हिस्सा बनते हैं—एक ऐसी कहानी, जिसमें जनजातीय समुदाय आत्मविश्वास और सम्मान के साथ भारत के भविष्य को नया आकार दे रहे हैं। 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' और 'प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान' जैसी पहलों के माध्यम से, समन्वय और सहयोग के नए प्रतिमान के ज़रिए जमीनी स्तर पर क्रांतिकारी बदलाव आ रहा है।

आज, भारत के 10.5 करोड़ से भी ज़्यादा आदिवासी नागरिक, देश की कहानी का एक सबसे प्रभावशाली और प्रगतिशील अध्याय हैं। वे राष्ट्रीय प्रगति के हाशिए पर नहीं हैं, बल्कि 'विकसित भारत' के संकल्प में सबसे मजबूत योगदान देने वालों में से हैं — जहाँ विद्वान नए कीर्तिमान रच रहे हैं, महिलाएँ नेतृत्व की नई परिभाषा गढ़ रही हैं और गुमनाम नायकों को आखिरकार राष्ट्रीय पहचान मिल रही है। इस यात्रा में, 'धरती आबा' की विरासत आगे बढ़ रही है।

(लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं।)

'जीरो टॉलरेंस' की नीति बने - जम्बो ड्रग्स और युवाओं का बुझता भविष्य

डॉ. सुधिर कुमार

आज का युवा जब हाथ में लेटेस्ट स्मार्टफोन लेकर 5 जी की रफ़्तार से दुनिया फतह करने का सपना देखता है, उसी समय उसकी दूसरी हथेली में 'जम्बो' का एक छोटा सा पुड़ियानुमा पैकेट उसके अस्तित्व को 'शून्य' करने की साजिश रच रहा होता है। यह सिर्फ एक नशा नहीं, यह भारत के भविष्य का 'केमिकल लोचा' है। 21वीं सदी के भारत की चमक-धमक, स्टार्टअप्स और वैश्विक नेतृत्व के दावों के पीछे एक गहरा काला साया हमारी 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' यानी युवा शक्ति को निगल रहा है। दिल्ली के आलीशान पबों से लेकर पंजाब, हरियाणा और मुंबई की गलियों तक फैला यह 'जम्बो' महज़ एक नशा नहीं, बल्कि घातक रसायनों का ऐसा कॉकटेल है जिसे 'मौत का सीधा आमंत्रण' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा।

'जम्बो' वास्तव में कोई एक दवा नहीं, बल्कि मेफेड्रोन, हेरोइन और जानवरों को दिए जाने वाले ट्रांक्विलाइज़र जैसे ज़ाइलाज़ीन जैसे घातक रसायनों का एक अनियंत्रित 'कॉकटेल' है। तस्कर इसकी अत्यधिक तीव्रता के कारण इसे 'जम्बो' कहते हैं, जिसकी एक सूक्ष्म खुराक भी व्यक्ति को हफ़्तों तक मदहोश रख सकती है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह मिश्रण मस्तिष्क के डोपामाइन सिस्टम को पूरी तरह नष्ट करने के साथ-साथ सीधे श्वसन और हृदय तंत्र पर प्रहार करता है, जो इसे सामान्य नशों की तुलना में कहीं अधिक जानलेवा बनाता है।

भारत में नशीली दवाओं के प्रसार को रोकने के लिए 'स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985' (एन-डी-पी-एस) सबसे सशक्त कानूनी हथियार है। इसकी धारा 8 मादक पदार्थों के व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, जबकि धारा 15 से 25 के तहत 'व्यावसायिक मात्रा' में ड्रग्स पाए जाने पर 20 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। हालाँकि, 'जम्बो' जैसे आधुनिक 'डिजाइनर ड्रग्स' कानून के लिए चुनौती बने हुए हैं। इनके निर्माता नशीले पदार्थों की 'आणविक संरचना' में सूक्ष्म बदलाव कर देते हैं, जिससे ये प्रतिबंधित सूची से बाहर रह जाते हैं। यह कानूनी पेचीदगी स्पष्ट करती है कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में कानून को निरंतर अपडेट करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

न्यायपालिका ने ड्रग तस्करी को समाज के विरुद्ध एक 'संगठित अपराध' मानते हुए सख्त रुख अपनाया है। 'स्टेट ऑफ पंजाब बनाम बलदेव सिंह (1999)' के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था को खोखला कर रहा है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। इसी कड़ी में, हाल के वर्षों में अदालतों ने जमानत याचिकाएं खारिज कर पुन: यह स्पष्ट संदेश दिया है कि नशे के सौदागर के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आज के दौर में रेव पार्टियां 'नशे' को एक 'स्टेटस सिंबल' और 'कूल' दिखने के माध्यम के रूप में परोस रही हैं। सोशल मीडिया और वेब सीरीज के मायाजाल से भ्रमित होकर युवा इसे महज एक रोमांचक 'प्रयोग' समझते हैं, जबकि यह 'प्रयोग' वास्तव में उनके जीवन की अंतिम यात्रा का टिकट साबित हो सकता है। पर्दे पर नशे का महिमामंडन 'स्वतंत्रता' लग सकता है, लेकिन हकीकत की जमीन पर यह केवल हंसते-खेलते परिवारों की बर्बादी की पटकथा लिखता है। युवाओं को यह समझना होगा कि दिखावे के 'स्वैगर' और जीवन के संघर्ष के बीच एक बहुत बारीक रेखा है; क्योंकि अस्पताल के बिस्तर या जेल की सलाखों के पीछे कोई 'एटीट्यूड' काम नहीं आता, वहां सिर्फ पछतावा शेष रह जाता है। नशा केवल एक व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक त्रासदी है। एक व्यक्ति का नशा उसके माता-पिता के सपनों, अपनों के भरोसे और स्वयं के सुनहरे भविष्य को जड़ से खत्म कर देता है। नशा मुक्ति के लिए कानून, तकनीक और संवेदना का समन्वय आवश्यक है। कानूनी स्तर पर, एन-डी-पी-एस मामलों के लिए 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' और साइबर-निगरानी को कड़ा करना होगा, वहीं दूसरी ओर, सामाजिक स्तर पर, शिक्षा के माध्यम से जमीनी जागरूकता फैलानी होगी। दृष्टिकोण में बदलाव लाते हुए नशा करने वालों को अपराधी के बजाय उपचार योग्य रोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। आधुनिक पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से उन्हें सुधार कर समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनर्स्थापित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

आज नशा 'डिजिटल ट्रैपिंग' के जरिए युवाओं के घर तक पहुंच चुका है, जहां डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड ऐप्स ने इसे बेहद सुलभ बना दिया है। निस्संदेह, नशा अक्सर मानसिक तनाव या अकेलेपन का एक भ्रामक समाधान होता है। असली बहादुरी रसायनों के पीछे छिपने में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का बिना किसी कृत्रिम सहारे के सामना करने में है।

भारत की जैव-विविधता: प्रतिबद्धताएँ और उपलब्धियाँ, कानूनी ढांचे से लेकर स्थानीय कार्रवाई तक

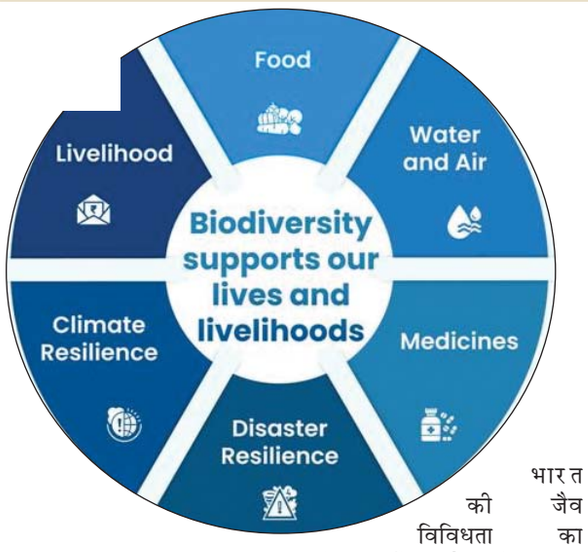

भारत की जैव विविधता का संचालन त्रि स्तरीय संरचना पर आधारित है। इसके तहत यह संरचना जैव विविधता की राष्ट्रीय नीति को राज्य स्तरीय कार्रवाई और स्थानीय स्तर के क्रियान्वयन से जोड़ती है। राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है जबकि राज्य जैव विविधता बोर्ड और केंद्र शासित प्रदेशों में गठित जैव विविधता परिषद प्रादेशिक और स्थानीय स्तर पर इन्हें निर्देशित करते है। स्थानीय स्तर पर ग्रामीण और शहरी निकायों में गठित जैव विविधता प्रबंधन कमेटियां लोगों की जैव विविधता रजिस्टर तैयार करती है और सामुदायिक स्तर पर संरक्षण को बढ़ावा देती है। भारत में अभी तक करीब 276653 जैव विविधता कमेटियों का गठन हुआ है.और करीब 272648 जैव विविधता रजिस्टर निर्मित किये गए है जिनमें समूचे देश की अनेक स्थानीय प्रजातियों, पारिस्थितिकी और परंपरागत ज्ञान का दत्तावेजीकरण किया गया है। कुल मिलाकर ये संस्थाएं और इनकी कार्य प्रक्रियाएं हमें वैश्विक स्तर की जैव विविधता के पारिस्थितिकी संतुलन से तालमेल बिठाने में मदद करती है।

एक लचीले भविष्य के लिए प्राकृतिक पूंजी का संरक्षण

जैव-विविधता भारत की पर्यावरणीय और विकास प्राथमिकताओं का केंद्र है। यह खाद्य सुरक्षा, आजीविका, जलवायु लचीलापन और पारिस्थितिक संतुलन का समर्थन करती है। भारत के वन, आर्द्रभूमि, पर्वत, समुद्री तट, मरुस्थल, घास के मैदान और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र विविध प्रजातियों और समुदायों को बनाए रखते हैं। लाखों स्थानीय समुदाय दैनिक जीवन के लिए इन प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर हैं। भारत नीतियों, संस्थाओं और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से वैश्विक ढांचों के अनुरूप अपनी प्राकृतिक पूंजी और जैव-विविधता प्रतिबद्धताओं को बनाए रखता रहता है। इन प्रयासों के माध्यम से भारत वैश्विक जैव-विविधता लक्ष्यों में योगदान देता है और राष्ट्रीय व स्थानीय स्तरों पर संरक्षण को मजबूत करता है। भारत का दृष्टिकोण स्थानीय प्रबंधन पर जोर देता है, क्योंकि यह माना जाता है कि समुदाय-नीत कार्रवाई व्यापक जैव-विविधता परिणामों को प्राप्त करने के लिए अनिवार्य है। पिछले दशक में, भारत ने वैज्ञानिक प्रबंधन, आवास पुनर्स्थापना, प्रजाति पुनर्वास कार्यक्रमों और सामुदायिक भागीदारी को मिलाकर जैव-विविधता संरक्षण के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया है। संरक्षित क्षेत्रों का विस्तार, वन्यजीव मॉनिटरिंग को मजबूत करना, अवक्षरित पारिस्थितिकी तंत्रों का पुनर्स्थापन और जैविक संसाधनों के स्थायी उपयोग को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों ने पारिस्थितिक लचीलापन बढ़ाया है, स्थानीय आजीविका का समर्थन किया है और जैव-विविधता संरक्षण में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। संरक्षण लक्ष्यों को स्थायी विकास उद्देश्यों के साथ संरेखित करके, भारत भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपने प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित करने और समावेशी व पर्यावरण-जिम्मेदार विकास को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहा है।

जैव-विविधता को समझना और उसका महत्व

जैव-विविधता पृथ्वी पर जीवन की विविधता को संदर्भित करती है, जिसमें पौधे, जानवर, सूक्ष्मजीव और वे पारिस्थितिकी तंत्र शामिल हैं जो इसे बनाते हैं। यह पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखती है और परागण, मृदा निर्माण, पोषक चक्र, जल शुद्धिकरण और जलवायु नियमन जैसे प्रमुख पारिस्थितिकी सेवाओं का समर्थन करती है। जैव-विविधता प्राकृतिक तंत्रों को बनाए रखती है जो जीवन को संभव और उत्पादक बनाते हैं। जैव-विविधता पर्यावरण और मानव समाजों दोनों के स्वास्थ्य के लिए केंद्रित है। व्यावहारिक रूप से, जैव-विविधता वही है जो पारिस्थितिकी तंत्रों को कार्यशील, लचीला और लोगों का समर्थन करने योग्य बनाती है। जैव-विविधता की रक्षा केवल पर्यावरणीय जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि भारत जैसा पारिस्थितिक रूप से विविध देश के लिए एक विकास प्राथमिकता भी है। जीन को वंशागति की मूल इकाई माना जाता है। जीन माता-पिता से संतान को संप्रेषित होते हैं और भौतिक व जैविक लक्षणों को निर्दिष्ट करने के लिए आवश्यक जानकारी रखते हैं। उदाहरण के लिए, रेड एप्पल, ग्रैनी स्मिथ एप्पल और गोल्डन एप्पल सेब के विभिन्न सांख्यिकीय भिन्न हैं।

वहीं, प्रजाति एक जीवों का समूह है जो सफलतापूर्वक प्रजनन करके प्रजनन क्षमता वाली संतति उत्पन्न कर सकते हैं। यह प्रजाति परिभाषा प्रजनन के आधार पर जानवरों, पौधों और जीवन के अन्य रूपों को समूहों में विभाजित करती है। उदाहरण के लिए, बाघ, शेर और गैंडा अलग-अलग जानवर प्रजातियाँ हैं।

पारिस्थितिकी तंत्र एक भौगोलिक क्षेत्र है जहाँ पौधे, जानवर और अन्य जीव, तथा मौसम और परिदृश्य मिलकर जीवन बनाते हैं। पारिस्थितिकी तंत्र में जीवित कारक और अजीव कारक दोनों होते हैं। जीवित कारकों में पौधे, जानवर और अन्य जीव शामिल हैं। अजीव कारकों में चट्टानें, तापमान और आर्द्रता शामिल हैं।

भारत का जैव-विविधता ढांचा

भारत का जैव-विविधता ढांचा संरक्षण और स्थायी उपयोग के लिए कानूनों, नीतियों, संस्थाओं और कार्यक्रमों को मिलाता है। यह न्यायसंगत लाभ साझाकरण को भी बढ़ावा देता है और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को वैश्विक जैव-विविधता प्रतिबद्धताओं के साथ संरेखित करता है।

जैव-विविधता अधिनियम, 2002 (2023 में संशोधित)

जैव-विविधता अधिनियम, 2002 भारत का प्राथमिक कानूनी ढांचा है जो जैव-विविधता के संरक्षण, स्थायी उपयोग और न्यायसंगत लाभ साझाकरण के लिए है। यह राष्ट्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर जैव-विविधता शासन के लिए सांविधानिक आधार प्रदान करता है। यह कानून जैविक संसाधनों और संबंधित पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण और संरक्षण का भी समर्थन करता है। यह पहुंच और लाभ साझाकरण के लिए भी प्रावधान करता है, जिससे सुनिश्चित होता है कि जैविक संसाधनों के उपयोग को ऐसे संसाधनों के प्रदाताओं के लिए न्यायसंगत वापसी से जोड़ा जाए।

तीन-स्तरीय शासन संरचना

जैव-विविधता अधिनियम, 2002, एक 3-स्तरीय शासन संरचना के लिए प्रावधान करता है। राष्ट्रीय स्तर पर, राष्ट्रीय जैव-विविधता प्राधिकरण (NBA) संरक्षण, स्थायी उपयोग और लाभ साझाकरण पर सलाह देता है। राज्य और संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर, राज्य जैव-विविधता बोर्ड (SBBs) और संघ राज्य क्षेत्र जैव-विविधता परिषदें (UTBCs) इन प्राथमिकताओं को क्षेत्रीय जरूरतों के अनुकूल बनाते हैं। स्थानीय स्तर पर, जैव-विविधता प्रबंधन समितियां (BMC) जनता के जैव-विविधता रजिस्टर (PBRs) तैयार करती हैं और सामुदायिक कार्रवाई का समर्थन करती हैं। यह संरचना वैश्विक और राष्ट्रीय जैव-विविधता लक्ष्यों को गांवों, कस्बों और शहरों तक ले जाने में मदद करती है।

जैव-विविधता अधिनियम, 2002 की धारा 39

धारा 39 केंद्र सरकार को विभिन्न श्रेणियों के जैविक संसाधनों के लिए संस्थानों को भंडारण के रूप में नियुक्त करने का अधिकार देती है। ये भंडारण वाउचर नमूने सहित जैविक सामग्री की सुरक्षित निगरानी का समर्थन करेंगे और मजबूत करेंगे। ये नई खोजी गई प्रजातियों के दस्तावेजीकरण और शोध और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले जैविक संसाधनों का भी समर्थन करते हैं।

इसके अलावा, किसी नए टैक्सान की खोज करने वाला व्यक्ति को नियुक्त भंडारण को सूचित करना और संबंधित वाउचर नमूने जमा करना आवश्यक है। इस प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए, NBA ने भंडारण के रूप में नियुक्त होने के लिए संस्थानों के लिए मानदंडों के निर्देश जारी किए हैं।

सरकार 2030 और उसके बाद संरक्षण परिणामों को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र, सुरक्षित आजीविका और राष्ट्रीय विकास एक सकारात्मक चक्र में एक दूसरे को मजबूत कर सकें।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी के कुलपति को हटाने अभाविप का धरना

दुर्ग। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के कुलपति शिवदयाल पांडे के खिलाफ छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग की जांच समिति की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की है। परिषद ने राज्यपाल एवं कुलाध्यक्ष के नाम ज्ञापन सौंपकर कहा कि जांच समिति ने कुलपति के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न, लैंगिक भेदभाव और प्रशासनिक अधिकारों के दुरुपयोग जैसे आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया है।

बड़े औरी से सांसद बघेल ने शुरू किया भूजल संरक्षण

पाटन। सांसद विजय बघेल ने पाटन विधानसभा के बड़े औरी गांव से भूजन संरक्षण अभियान की शुरुआत की है। इसके तहत तालाब निर्माण कर भूजल संरक्षण और जलसंकट से निपटने की दिशा में काम किया जाएगा। सांसद बघेल ने बताया कि इसके लिए करीब साढ़े तीन एकड़ जमीन चिह्नित की गई, लेकिन निरीक्षण के दौरान पता चला कि पूरी जमीन टीले के रूप में है। ऊंचे टीले को तालाब में बदलने की कठिनाई के कारण लोगों का उत्साह कम होने लगा था। इसके बावजूद सांसद ने तालाब निर्माण का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया। इस अभियान में भारतमाला परियोजना के अधिकारियों का भी सहयोग मिला।

दुर्ग में नया ट्रैफिक ढांचा तैयार होगा, चौड़ीकरण भी करेंगे

दुर्ग। मंत्री गजेन्द्र यादव ने पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों और इंजीनियरों के साथ विभिन्न चौक-चौराहों और प्रमुख मार्गों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पोटिया चौक से बस्ती तक मार्ग, बोरसी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र, बस स्टैंड से गणेश मंदिर रोड, नयापारा चौक से आनंद सरोवर तक मार्ग, बघेरा रोड सहित विभिन्न स्थानों का अवलोकन कर यातायात सुधार और सड़क चौड़ीकरण की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। श्री यादव ने कहा कि शहर का लगातार विस्तार हो रहा है, जिसके अनुरूप सड़क और यातायात अधोसंरचना का विकास आवश्यक है।

साहित्यकार तुलेश्वर को शब्द शिखर सम्मान

उपरवाह। साहित्यिक संस्था वक्ता मंच ने राजधानी रायपुर के सभागृह में काव्य महाकुंभ का आयोजन किया। 151 रचनाकारों को शब्द शिखर सम्मान 2026 से विभूषित किया गया। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि ग्राम सलोनी (घुमका) राजनांदगांव निवासी शासकीय प्राथमिक शाला पुरेना छुईखदान में कार्यरत प्रधान पाठक तुलेश्वर कुमार सेन को उनके द्वारा हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषा में साहित्य सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दिखाई प्रतिबद्धता

सीमा सुरक्षा बल ने 5000 पौधे रोप कर दिया पर्यावरण सुरक्षा एवं संरक्षण का सशक्त संदेश

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामरिक मुख्यालय (विशेष-संक्रिया) बीएसएफ छत्तीसगढ़ द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए पौधरोपण कार्यक्रम अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत सामरिक मुख्यालय (विशेष-संक्रिया) बीएसएफ छत्तीसगढ़, भिलाई तथा अधीनस्थ वाहिनियों एवं इकाइयों में 5000 से अधिक छायादार, औषधीय, फलदार एवं सजावटी पौधों का रोपण किया गया।

पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ गिरधारी लाल मीणा, उप महानिरीक्षक, सामरिक मुख्यालय (विशेष-सक्रिया) बीएसएफ छत्तीसगढ़, द्वारा पौधारोपण कर किया गया। इस अवसर पर बीएसएफ के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी सामूहिक जिम्मेदारी का निर्वाहन किया।

इस अवसर पर उप महानिरीक्षक गिरधारी लाल मीणा ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, सुरक्षित एवं संतुलित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी कार्मिकों से लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण सुनिश्चित करने का आव्हान किया।

बीएसएफ छत्तीसगढ़ द्वारा प्रत्येक वर्ष मानसून अवधि के दौरान व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इस वर्ष भी बीएसएफ सामरिक मुख्यालय से लेकर वाहिनी एवं कम्पनी स्तर तक यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। इसके उद्देश्य देश को हरा भरा करना है।

कार्यक्रम के अंत में बीएसएफपरिवार की ओर से सभी देशवासियों को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण एवं जनभागीदारी का संदेश दिया गया।

यह वृक्षारोपण अभियान न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व, जन-जागरूकता एवं सतत विकास के प्रति बी0एस0एफ की प्रतिबद्धता का भी सशक्त उदाहरण है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर दुर्ग में महापौर बाघमार ने लगाया पौधा

हरियाली बढ़ाने का लिया संकल्प

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी सदस्य देव नारायण चन्द्राकर, पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, मनीष साहू, शिव नायक, अजीत वैध, सरस निर्मलकर, खिलावन मटियारा, जितेंद्र महोविया, रामचंद्र सेन के साथ विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन तथा जलवायु परिवर्तन के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधारोपण के साथ-साथ पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उन्हें वृक्ष बनने तक सुरक्षित रखना भी प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। नगर निगम द्वारा शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने एवं स्वच्छ वातावरण निर्मित करने के लिए निरंतर अभियान चलाए जा रहे हैं।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। बढ़ते प्रदूषण, घटते भू-जल स्तर और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी हैं। वृक्ष हमें ऑक्सीजन, छाया और स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में नियमित रूप से पौधारोपण करे और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी निभाए तो आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर और सुरक्षित पर्यावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि विशेष अवसरों पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

सभापति श्याम शर्मा ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं बल्कि प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझने और निभाने का अवसर है। वर्तमान समय में पर्यावरण असंतुलन के कारण अनेक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं।

बीएसपी ने बड़े पैमाने पर किया वृहद पौधरोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के अवसर पर सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यानिकी विभाग द्वारा 05 जून 2026 को हॉस्पिटल सेक्टर, स्ट्रीट-12 क्षेत्र में वृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक प्रभारी (बीएसपी) चित्त रंजन महापात्र रहे व विशिष्ट अतिथि के तौर पर ईडी मानव संसाधन, पवन कुमार तथा ईडी रावघाट अरुण कुमार उपस्थित थे।

इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रभारी सम्पर्क प्रशासन एवं जनसम्पर्क अमूल्य प्रियदर्शी, महाप्रबंधक (शिक्षा) शिखा दुबे, नगर सेवाएं विभाग के महाप्रबंधक विष्णु के पाठक, अतुल नौटीयाल, महेंद्र साहू, विकास चंद्रा, उपमहाप्रबंधक रवि फुले, सहायक महाप्रबंधक रमेश कुमार गुप्ता, राजेश शर्मा, ललित कुमार, अशोक सिन्हा, शंकर अग्रवाल, संदीप नायडू, खीरु प्रसाद सहित पर्यावरण प्रेमी, क्लब बुलबुल एवं स्काउट-गाइड के बच्चे, एनसीसी कैडेट्स, पर्यावरण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ संयंत्र एवं टाउनशिप क्षेत्र में हरित आवरण को और सुदृढ़ करना था।

श्री महापात्र ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पिछले कुछ दशकों में वैश्विक तापमान में निरंतर वृद्धि हुई है तथा वायु प्रदूषण मानव जीवन और आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और वृक्षारोपण, जल संरक्षण तथा संसाधनों के सतत उपयोग के माध्यम से हम इस दिशा में सार्थक योगदान दे सकते हैं।

777 आवासों के आवंटन के लिए आवेदन मंगाए गए

दुर्ग। मोर मकान-मोर आस योजना के तहत नगर निगम दुर्ग क्षेत्र में निर्मित और निर्माणाधीन आवासों के आवंटन के लिए पात्र हितग्राहियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। नगर निगम द्वारा गोकुल नगर, मां कर्मा हाइट्स और सरस्वती नगर परियोजनाओं में कुल 777 आवासों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की गई है। पात्र हितग्राही निर्धारित आवेदन शुल्क जमा कर निगम के प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा से आवेदन प्राप्त और जमा कर सकते हैं। दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता दी जाएगी।

मदर टेरेसा नगर की अवैध चिकन एवं मटन दुकानों पर निगम ने की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार जोन-03 मदर टेरेसा नगर क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 31 में अवैध रूप से संचालित चिकन एवं मटन दुकानों के खिलाफ विशेष कार्रवाई की गई। निगम की स्वास्थ्य एवं स्वच्छता टीम ने क्षेत्र का निरीक्षण कर नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना लगाया।

कार्रवाई के दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे एवं स्वच्छता निरीक्षक चूड़ामणि यादव उपस्थित रहे। निरीक्षण में पाया गया कि कुछ दुकानों का संचालन निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं किया जा रहा था, जिस पर निगम अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित दुकानदारों से कुल 1500 रुपये अर्थदण्ड वसूल किया।

निगम अधिकारियों ने दुकानदारों को स्वच्छता मानकों का पालन करने, परिसर को साफ-सुथरा रखने तथा निर्धारित नियमों के तहत व्यवसाय संचालित करने के निर्देश दिए। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम भिलाई द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए नियमित रूप से निरीक्षण एवं कार्रवाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन ने नागरिकों और व्यापारियों से स्वच्छ एवं व्यवस्थित वातावरण बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

दुर्ग शहर की हर दीवार दे रही स्वच्छता का संदेश

दुर्ग। नगर पालिक निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत शहर को स्वच्छ, सुंदर एवं आकर्षक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जागरूकता एवं सौन्दर्याकरण कार्य लगातार किए जा रहे हैं। शहर के प्रमुख मार्गों, सार्वजनिक स्थलों एवं दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग्स एवं स्वच्छता संदेशों के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है। शहर की दीवारें अब स्वच्छता का संदेश देते हुए नई पहचान बना रही हैं। नगर निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों से विनम्र अपील की गई है कि सार्वजनिक स्थानों एवं दीवारों पर थूकें नहीं, कचरा इधर-उधर न फैलाएं तथा स्वच्छता बनाए रखने में निगम प्रशासन का सहयोग करें। स्वच्छ और सुंदर शहर निर्माण में जनभागीदारी को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए निगम लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरित दुर्ग निर्माण का संकल्प, वार्ड को हरा-भरा बनाएंगे पार्षद

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा जलवायु संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष सामान्य सभा का आयोजन किया गया। माननीय उच्च न्यायालय बिलासपुर में विचाराधीन प्रकरण 23/2026 के परिप्रेक्ष्य में आयोजित इस विशेष सभा में स्वच्छता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण एवं नगरीय विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

सभापति श्याम शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित सभा में महापौर अलका बाघमार, आयुक्त सुमित अग्रवाल, एमआईसी सदस्यगण नरेंद्र बंजारे, देव नारायण चन्द्राकर, शेखर चन्द्राकर, लीना दिनेश देवांगन,ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, मनीष साहू, काशीराम कोसरे, शिव नायक, लीला धर पाल, शशि साहू एवं पार्षदगण एवं निगम अधिकारियों की उपस्थिति रही। बैठक की शुरुआत विश्व पर्यावरण दिवस की थीम के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण एवं हरित विकास के संकल्प के साथ हुई।

सभा के दौरान वार्ड पार्षदों ने अपने-अपने क्षेत्रों में स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अनुभव साझा किए। पार्षदों ने अपने वार्डों में व्यापक स्तर पर हरियाली अभियान चलाने तथा नागरिकों के सहयोग से अधिक से अधिक पौधारोपण कराने की जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया।

एक पेड़ मां के नाम अभियान

पर्यावरण दिवस पर भिलाई भाजपा ने किया वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी भिलाई द्वारा प्रियदर्शनी परिसर सोसाइटी गार्डन में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पांडे, विधायक डोमनलाल कोसेवाड़ा, विधायक रिकेश सेन, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेश भोजपुरिया, महेश वर्मा, निहारिका मिश्रा, पद्मश्री उषा बारले, वरिष्ठ नेता रविशंकर सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर राकेश पांडे ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं, ये हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखते हैं। लगाए गए पौधे आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर सिद्ध होंगे।

विधायक डोमनलाल कोसेवाड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयास प्रेरणादायक हैं और यह अभियान जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि केवल पौधा लगाना ही नहीं, बल्कि उसकी देखभाल करना भी हम सभी की जिम्मेदारी है, तभी यह वृक्ष भविष्य में पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकेंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन ने कहा कि जिस प्रकार माँ अपने बच्चों का पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार वृक्ष भी हमें जीवनदायी ऑक्सीजन देकर संरक्षण प्रदान करते हैं, इसलिए उनका संरक्षण हमारा कर्तव्य है।

वृक्षारोपण करने वालों में चन्ना केशवलु, पूनम शुक्ला, भोजराज सिंह, संजय दानी, योगेंद्र सिंह, मनीष अग्रवाल, विजय सिंह, त्रिलोचन सिंह, गोपाल कृष्ण वर्मा, सह मीडिया प्रभारी सूरज जायसवाल, आईटी सेल संयोजक विजय सिंह चौहान, शामिल रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भिलाई नगर निगम आयुक्त ने रोपा पौधा

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से नेहरू नगर स्थित मधुकामिनी गार्डन में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की उपस्थिति में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

सर्वप्रथम आयुक्त ने सेक्टर 09 हास्पिटल सेक्टर उद्यान के समीप पहुंचे, वहां सर्वधर्म सेवा संस्थान के माध्यम से वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। समिति और स्कूली बच्चों को पर्यावरण को हरा-भरा रखने एवं उसे संरक्षित करने संबंधी जानकारी दी गई। निगम आयुक्त महोदय द्वारा पौधारोपण भी किया गया। जहां ड्रोन के माध्यम से सीड बॉल गिराया गया जिसका मुख्य लक्ष्य शहर में हरियाली में वृद्धि करना है। पौधा रोपण कार्यक्रम में आयुक्त ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इसके पश्चात मधु कामिनी उद्यान नेहरू नगर पूर्व में वृक्षारोपण किया गया। निगम आयुक्त ने कहा है बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना और उनका संरक्षण करना जरूरी है। उन्होंने सभी से अपने आसपास हरियाली बढ़ाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

सुशासन का नया सवेराः तहसील नहीं, अब डूबान क्षेत्र के गांवों में लग रही न्याय की चौपाल

रायपुर। लोकतंत्र और सुशासन की असली परिभाषा तब चरितार्थ होती है, जब जनता को अपनी बुनियादी जरूरतों और न्याय के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, बल्कि प्रशासन खुद चलकर जनता के द्वार तक पहुंचे। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में इन दिनों सुशासन का एक ऐसा ही जीवंत और प्रेरणादायी अध्याय लिखा जा रहा है। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप, धमतरी कलेक्टर के मार्गदर्शन में शुरू की गई 'लिंक कोर्ट' की अभिनव पहल ने दूरस्थ और डूबान प्रभावित क्षेत्रों के ग्रामीणों के जीवन में एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव लाया है। कभी छोटे-छोटे राजस्व मामलों के लिए कई किलोमीटर की दुर्गम यात्रा तय कर तहसील या जिला मुख्यालय पहुंचने को मजबूर ग्रामीण, अब अपने ही गांव में चौपाल पर त्वरित सुनवाई और समाधान पा रहे हैं। यह पहल उन ग्रामीणों के लिए एक बड़ी संजीवनी बनकर उभरी है, जिनके लिए जिला मुख्यालय पहुंचना किसी चुनौती से कम नहीं था। इस मुहिम की सफलता को केवल आंकड़ों से नहीं, बल्कि ग्रामीणों के चेहरों पर आई मुस्कान और उनके बरसों पुराने विवादों के खात्मे से समझा जा सकता है।

राज्य के 7 जिलों में लोगों की आमदनी बढ़ाने के लिए एकीकृत आजीविका कार्यक्रम

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में यहां मंत्रालय महानदी भवन में बैठक हुई। बैठक में राज्य के 7 जिलें बस्तर, कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर, नारायणपुर और मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी में एकीकृत आजीविका कार्यक्रम के तहत यहां के ग्रामीण परिवारों की आय और जीवन स्तर को बेहतर बनाने चर्चा हुई। इस संबंध में मुख्य सचिव ने अधिकारियों को एक व्यापक कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए है। मुख्य सचिव ने कार्यक्रम के तहत प्रत्येक लक्षित परिवारों को विविध आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। मुख्य सचिव ने कार्यक्रम के तहत प्रत्येक लक्षित परिवारों को विविध आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि एकीकृत आजीविका कार्यक्रम छत्तीसगढ़ सरकार की एक महत्वकांक्षी पहल है।

पंजीकृत महिला निर्माण श्रमिकों के लिए दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, श्रम विभाग के अंतर्गत भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में निर्माण कार्य से जुडे 60 प्रकार के प्रवर्गो में पंजीकृत कर उनके लिये जन्म से मृत्यु तक लगभग 28 प्रकर की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिकों के जीवनयापन के स्तर को उंचा उठाने एवं आय में वृध्दि तथा रोजगार मुहैया कराने के उद्देश्य से मंडल में 3 वर्ष पूर्व पंजीकृत निर्माण महिला श्रमिकों के लिये दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना संचालित की जा रही हैं जिसके अंतर्गत 1,50,000 रूपये की अनुदान राशि मण्डल द्वारा प्रदाय किया जाना प्रावधानित है। नजदीकी श्रम संसाधन केन्द्र, च्वाईस सेंटर अथवा जिला श्रम कार्यालय बलौदा बाजार के कक्ष क्रमांक 117 में आकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा बोड़ला के सुशासन तिहार में हुए शामिल, सुनीं क्षेत्रवासियों की समस्याएं

पीएम आवास पूर्णता में पूरे देश में सबसे आगे छत्तीसगढ़, ढाई सालों में 10 लाख से अधिक आवास पूरे - विजय शर्मा

बोड़ला क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, तरेगांव में 2.50 करोड़ से बनेगा सीएचसी, राजा नवागांव में 75 लाख से अपग्रेड होगा सब सेंटर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा कबीरधाम जिले के बोड़ला नगर पंचायत में आयोजित सुशासन तिहार में शामिल हुए। यहां उन्होंने क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनी और अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिये। शिविर के दौरान उन्होंने विभिन्न हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित भी किया। शिविर को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि बीते दिनों यहां 7 करोड़ रुपए के विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन लोकार्पण किया गया है। 1.5 करोड़ की लागत से यहां तालाब के सौंदर्यीकरण की स्वीकृति मिली है।

जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में हुए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि अन्य काम दस बीस सालों के लिये होते हैं लेकिन मेडिकल कॉलेज जैसा काम सौ साल का होता है। उन्होंने बताया कि काम तेजी से हो रहा है। हर शुक्रवार निर्माण कार्य में हुई प्रगति का अपडेट लिया जाता है। उन्होंने कहा कि बोड़ला क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास हो रहे हैं। तरेगांव जंगल के पीएचसी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन के लिए 2.50 करोड़ की स्वीकृति मिली है। राजा नवागांव सब सेंटर 75 लाख की लागत से पीएचसी में अपग्रेड होने जा रहा है।

उन्होंने बताया कि भोरमदेव कॉरिडोर में मंदिर परिसर, मड़वा महल, छेरकी महल, रामचुंवा के साथ सरोदा बांध का उन्नयन किया जा रहा है। भोरमदेव मंदिर के इतिहास से पर्यटकों को परिचित कराने के लिए संग्रहालय का निर्माण, सरोवर का सौंदर्यीकरण, कांवड़ियों के लिए विश्राम स्थल जैसी सुविधाओं के विकास की कार्ययोजना है। इसके लिए स्वदेश दर्शन योजना से 146 करोड़ रुपए मिले हैं। यह न सिर्फ क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगा बल्कि पर्यटकों के आने से क्षेत्रवासियों के लिए आर्थिक विकास की राह भी खोलेगा। किसानों की सुविधा के लिए बोड़ला में ट्रांसफार्मर अपग्रेडेशन का काम किया जा रहा है। नया सब स्टेशन का काम चल रहा है। फीडर अलग करने का काम भी जारी है। घरेलू कनेक्शन और खेतों में गया फीडर अलग किया जा रहा है। ताकि विद्युत आपूर्ति सुचारु रहे।

लोरमी विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के नेतृत्व में इस पूरे क्षेत्र के समुचित विकास की ठोस आधारशिला रखी जा रही है जिसका लाभ आने वाली पीढ़ियों को भी मिलेगा। उनके मार्गदर्शन में कवर्धा में स्वास्थ्य सुविधाओं में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। यहां मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है। जिसका लाभ पूरे जिले के मरीजों को मिलेगा। जिला अस्पताल में सीटी स्कैन और सोनोग्राफी जैसी सुविधाएं मिल रही हैं। अटल आरोग्य लैब से कई प्रकार की जांच निःशुल्क होती है। उनके नेतृत्व में भोरमदेव कॉरिडोर का निर्माण होने जा रहा है। यह परियोजना भोरमदेव मंदिर को देश के पर्यटन मानचित्र पर मजबूती अंकित करने का रहा है। यह सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं होगा बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी आगे बढ़ाएगा।

पीएम जनमन से प्रदेश की 2.25 लाख विशेष पिछड़ी जनजाति के लिए करीब 800 सड़कें बनाई गई। जिले में बैगा बाहुल्य बसाहटों के 56 सड़कें बन रही हैं, जिनमें से अधिकांश सड़कें पूरी हो चुकी हैं। पीएमजीएसवाय फेज-4 से बोड़ला विकासखंड में 16 सड़कें बन रही हैं। विभिन्न सड़कों का नवीनीकरण किया जा रहा है। दूरस्थ अंचलों को बारहमासी सड़क संपर्क से जोड़ने के लिए विशेष रूप से काम किया जा रहा है। इसके साथ ही पीएम जनमन योजना से शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, महिला एवं बाल विकास के साथ अन्य महत्वपूर्ण योजना का लाभ पहुंचाने का काम हो रहा है। जिससे जिले में निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगाओं का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो।

सुशासन तिहार के दौरान उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को नए आवास की चाबी सौंपी गई। इसके साथ ही उप मुख्यमंत्री द्वारा नवीन राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, एचआईवी वैक्सीनेशन प्रमाण पत्र का भी वितरण किया। साथ ही कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

2.5 वर्षों में पूरे देश में सर्वाधिक आवास किये पूरे

उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि सरकार गठन के बाद पीएम आवास निर्माण की स्वीकृति और उसे पूर्ण करने का काम पूरी तेजी से किया गया। उन्होंने बताया कि बीते 2.5 वर्षों में पूरे प्रदेश में 10 लाख 60 हजार पीएम आवास पूरा किया है। यह इस अवधि में पूरे देश में सर्वाधिक है। जनवरी 2025 से अक्टूबर तक प्रदेश में 2 हजार आवास प्रतिदिन पूर्ण हो रहे थे। यह देश में सबसे अधिक था। आज भी देश में सबसे ज्यादा 1600 आवास प्रतिदिन पूरा किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में भी आवास निर्माण की गति बढ़ाई जा रही है।

उप मुख्यमंत्री साव निकले फील्ड पर, कार्यों की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने चार दिवसीय बस्तर प्रवास के पहले दिन कई कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। वे इस दौरान कांकेर के कोटतरा में सुशासन तिहार के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में भी शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान ग्राम पंचायत के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चेक, सामग्री और प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

श्री साव आगामी चार दिनों तक बस्तर में रहकर निर्माण कार्यों और योजनाओं के मैदानी स्तर पर क्रियान्वयन का निरीक्षण करेंगे।

वे इस दौरान बस्तर संभाग के सभी जिलों के अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी करेंगे। वे आज अपने बस्तर प्रवास के पहले दिन कांकेर पहुंचे, जहां उन्होंने चारामा विकासखण्ड के ग्राम बड़ेगौरी में जल जीवन मिशन के कार्यों का जायजा लिया। जल जीवन मिशन के तहत यहां दो करोड़ 49 लाख रुपए की लागत से पानी टंकी का निर्माण और रेट्रोफिटिंग कर 391 घरों में स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। श्री साव ने घरों में जाकर जल आपूर्ति भी देखी। वे वहां जल अर्पण कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कांकेर में निर्माणाधीन 250 सीटर नालंदा परिसर के कार्यों का निरीक्षण किया। चार करोड़ 71 लाख रुपए की लागत से इसका निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कार्यों में तेजी लाते हुए आगामी अक्टूबर माह तक इसका निर्माण पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को कांकेर में जिला मुख्यालय के अनुरूप साफ-सफाई की व्यवस्था और जनसुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने अमोड़ा-नरहरपुर सड़क के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए ठेकेदार और कार्यपालन अभियंता को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता और समय-सीमा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इनमें किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने वर्क-फोर्स और मशीनरी बढ़ाकर कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। 40 करोड़ 23 लाख रुपए की लागत से 16 किमी इस टू-लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। कांकेर के विधायक आशाराम नेताम भी सभी कार्यों के निरीक्षण के दौरान मौजूद थे।

मिनी फिंगरप्रिंट डेवलपिंग किट पर राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला सम्पन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पुलिस मुख्यालय नवा रायपुर में मिनी फिंगरप्रिंट डेवलपिंग किट के प्रभावी उपयोग संबंधी एक दिवसीय राज्यस्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम के निर्देशन में आयोजित कार्यशाला का उद्देश्य घटना स्थलों से वैज्ञानिक एवं सटीक साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाना तथा अपराधियों की पहचान एवं गिरफ्तारी में आधुनिक तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देना था।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस महानिरीक्षक, सीआईडी डॉ. ध्रुव गुप्ता ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपराध अनुसंधान में फिंगरप्रिंट एवं चांस प्रिंट अत्यंत महत्वपूर्ण साक्ष्य होते हैं। इन्हें वैज्ञानिक तरीके से विकसित कर न्यायालयीन प्रक्रिया में उपयोग लाने में फिंगरप्रिंट किट महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा कि राज्य में घटनास्थलों से प्राप्त चांस प्रिंट का अपराधियों के रिकॉर्ड से मिलान कर उनकी पहचान स्थापित करने और मामलों के त्वरित निराकरण में यह किट काफी उपयोगी सिद्ध होगी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर अमृत सरोवरों में वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जांजगीर-चांपा जिले के विभिन्न अमृत सरोवर परिसरों में वृक्षारोपण एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों, स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं, युवाओं तथा ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

इस अवसर पर अमृत सरोवरों के आसपास पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरित आवरण विस्तार और प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लेते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने का संकल्प लिया। साथ ही अमृत सरोवर परिसरों में साफ-सफाई एवं रखरखाव संबंधी गतिविधियां भी संचालित की गईं। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण, जैव विविधता संरक्षण तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अमृत सरोवरों के संरक्षण एवं दीर्घकालिक रखरखाव के महत्व पर चर्चा की गई। आयोजित 'सरोवर संवाद' कार्यक्रम में ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों के महत्व तथा भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी गई।

चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को मंत्री चौधरी ने किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित प्रकृति से प्रेरित होकर जलवायु और भविष्य का संरक्षण करें विषयक चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने सम्मानित किया। प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के विद्यार्थियों एवं दिव्यांग प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी रचनात्मक सोच को चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया।

प्रथम आयु वर्ग (12 वर्ष तक) में कृष्णा पब्लिक स्कूल, सरोना की छात्रा कु. सिद्धी वर्मा ने प्रथम, होली क्रॉस गर्ल्स स्कूल रायपुर की कु. काव्या विश्वकर्मा ने द्वितीय तथा कृष्णा पब्लिक स्कूल, डुण्डा की कु. के. तेजस्विनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार कु. प्रत्युषा शुक्ला, कु. अर्पिता लहर एवं कु. दितिप्रिया

चौधरी को प्रदान किया गया।

द्वितीय आयु वर्ग (13 से 17 वर्ष) में सेजेस स्कूल, अभनपुर के छात्र हितेश यादव प्रथम, शिवोम विद्यापीठ रायपुर की कु. हेमा साहू द्वितीय तथा द एशियन एकेडमी के छात्र प्रियांशु साहू तृतीय स्थान पर रहे। सांत्वना पुरस्कार भावेश प्रजापति, मौसमी साहू एवं छवि साहू को प्रदान किया गया। तृतीय आयु वर्ग (18 से 21 वर्ष) में साइंस कॉलेज रायपुर की छात्रा कु. तन्नू जंघेल ने प्रथम, स्वामी आत्मानंद बी.डी. स्कूल खरोरा के छात्र चिराग पसारी ने द्वितीय तथा कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर के छात्र सचिन जंघेल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार मौसमी दिवान एवं प्रिन्स विश्वकर्मा को दिया गया। दिव्यांग श्रेणी में शासकीय दिव्यांग महाविद्यालय, माना कैंप की छात्रा कु. लवली खुटियारे प्रथम, छात्र अनमोल पटेल द्वितीय तथा छात्रा कु. डॉली शिवारे तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार पुनाराम निषाद, कु. पूजा एवं कु. आयशा खान को प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मंत्री ओ.पी. चौधरी ने विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में बच्चों और युवाओं की रचनात्मक भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना ही भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित एवं स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित कर सकती है। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारी एवं कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

सीसीपीएल 2026: अमनदीप के लगातार दूसरे सैकड़े से जीता रायपुर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के तीसरे शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम नवा रायपुर में दो मैच खेले गए। शुक्रवार को पहला मैच सरगुजा टायगर्स तथा रायपुर रायनोस के बीच खेला गया। इस मैच में रायपुर के स्टार बल्लेबाज अमनदीप खरे ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और अपनी टीम को जीत दिलाई। वहीं दूसरे मैच में बिलासपुर बुल्स की टीम ने राजनांदगांव पैंथर्स को 8 विकेट से हराया।

पहले मैच में रायपुर रायनोस ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया।सरगुजा टायगर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 186 रन बनाये। सरगुजा टायगर्स की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज एवं कप्तान आशुतोष सिंह ने 65 रन बनाये, साथ ही आनंद राव ने नाबाद 44 रन तथा सानिध्य हुरकत ने 31 रनों का योगदान दिया। रायपुर रायनोस की ओर से आशिष चौहान तथा गौरव चतुर्वेदी ने 2-2 विकेट प्राप्त किये।

187 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रायपुर रायनोस ने 19.1 ओवरों में 1 विकेट खोकर 189 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया। उनकी शुरुवात अच्छी रही, प्रारंभिक बल्लेबाज अमनदीप खरे ने लगातार दो मैचों में शतक लगाते हुये 62 गेंदों में 11 चौको तथा 3 छक्कों की मदद से नाबाद 101 रन बनाये। उनके अतिरिक्त अमित कुमार यादव ने भी शानदार बल्लेबाजी करते हुये 74 रन बनाये। दोनों के मध्य पहले विकेट के लिये रिकार्ड 155 रनों की साझेदारी हुयी। सरगुजा टायगर्स की ओर से हर्ष यादव ने 1 विकेट प्राप्त किया। रायपुर लायंस ने 9 विकेट से मैच जीत लिया। अमनदीप खरे प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

बिलासपुर बुल्स ने राजनांदगांव पैथर्स को 8 विकेट से हराया

शुक्रवार को दूसरा मैच राजनांदगांव पैंथर्स तथा बिलासपुर बुल्स के मध्य खेला गया। राजनांदगांव पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय किया। राजनांदगांव पैंथर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 133 रन बनाये।

राजनांदगांव पैंथर्स की ओर से प्रारंभिक बल्लेबाज तथा कप्तान अजय मंडल ने 31 रन, ऐश्वर्य मार्या ने नाबाद 26 रन तथा आर्यन जायसवाल ने 24 रन बनाये। वही बिलासपुर बुल्स की ओर से हर्ष राठौर तथा भरत गोंडवानी ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। 134 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर बुल्स ने 13.1 ओवरों में 2 विकेट खोकर 135 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया। बिलासपुर बुल्स की ओर से अभिजीत ताह ने 64 रन तथा आयुष पांडे ने 51 रन बनाये। उनके मध्य पहले विकेट के लिये 100 रनों की साझेदारी हुयी। राजनांदगांव पैथर्स की ओर से अजय मंडल ने 2 विकेट प्राप्त किये। बिलासपुर बुल्स ने 8 विकेट से मैच जीत लिया। अभिजीत ताह प्लेयर ऑफद मैच रहे।

सुशासन तिहार बना उम्मीद की नई किरण

रायपुर। कभी आर्थिक तंगी के कारण अपने सपनों को अधूरा मानने वाली छात्रा शशि साहू और खेती के लिए संसाधनों की चिंता में रहने वाले किसान बहोरन लाल कौशिक के जीवन में सुशासन तिहार नई उम्मीद लेकर आया है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिली सहायता ने दोनों के भविष्य को नई दिशा दी है। बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखंड के गनियारी में आयोजित सुशासन शिविर में रानीपारा निवासी कुमारी शशि साहू को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले पिता की सीमित आय के कारण शशि की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।

बचपन की यादों में खोई तृप्ति डिमरी, कहा-बहुत मार खाई है.....

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है, जिसे लेकर वह उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त तृप्ति ने अपने बचपन की यादों को ताजा करते हुए मजेदार किस्से सुनाए। तृप्ति ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी को अपने माता-पिता से कभी न कभी तो मार पड़ी होगी। बड़े होते समय मुझे तो काफी मार पड़ी थी। उन्होंने आगे मजाकिया अंदाज में जोड़ा, जिस दिन मुझे मार नहीं पड़ती थी, उस दिन भी मुझे मार पड़ जाती थी मैं घर जाती थी और कोई कहता था, 'क्या हुआ? तुम आज बहुत खुश लग रही हो।

तृप्ति ने बताया कि बचपन में सजा मिलना उनके लिए आम बात थी, लेकिन आज वे उन दिनों को प्यार से याद करती हैं।

बातचीत के दौरान तृप्ति डिमरी ने कहा कि फिल्म में मौजूद तीनों मुख्य किरदार अपने-अपने तरीके से मजबूत हैं और सभी के हिस्से में बराबर की मुश्किलें और हंगामे आते हैं।

उनके अनुसार, फिल्म का परिवार काफी बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है, लेकिन यही इसकी सबसे बड़ी खासियत भी है। कहानी में तीनों किरदार एक ऐसी स्थिति में फंस जाते हैं, जहां उन्हें हालात संभालने के लिए लगातार नए तरीके अपनाने पड़ते हैं।

सुरेश त्रिवेणी के निर्देशन में बनी कॉमेडी ड्रामा मां बहन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। फिल्म में तृप्ति के साथ माधुरी दीक्षित नेने, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

कहानी रेखा नाम की एक महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी रसोई में अचानक एक लाश मिल जाती है। इसके बाद उसकी दो बेटियों जया और सुषमा के साथ मिलकर उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिल्म में कॉमेडी, सस्पेंस और परिवार की मजबूती को खूबसूरती से दिखाया गया है।

मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर जारी, बंटवारे के दर्द में तड़पता दिखा वेदांग-शरवरी का प्यार

मैं वापस आऊंगा मेकर्स ने दिलजीत दोसांझ, वेदांग रैना और शरवरी की फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया है। फिल्ममेकर इम्तियाज़ अली एक बार फिर प्यार, इमोशन, पुराना रोमांस और तड़प की दुनिया में उतर गए हैं। दिल को छू लेने वाले रोमांटिक ड्रामा बनाने के लिए मशहूर इम्तियाज अली इस फिल्म के साथ अपनी खास कहानी कहने की शैली को वापस ले आए हैं।

इम्तियाज अली पार्टीशन एरा की एक इमोशनल लव स्टोरी के साथ वापस आए हैं। इस फिल्म में पुराने जमाने का रोमांस दिखाया है, जो इंडिया-पाकिस्तान के बंटावारे के कारण बिछड़ जाते हैं।

वेदांग रैना और शरवरी ने इंस्टाग्राम पर मैं वापस आऊंगा का ट्रेलर अपलोड किया है। इस रोमांटिक ट्रेलर को उन्होंने एक रोमांटिक कैप्शन में दिया है, जिसमें उन्होंने लिखा है, क्या प्यार सच में खत्म सकता है? क्या किसी के दिल से उसका घर छीना जा सकता है? ट्रेलर अब रिलीज हो गया है। मैं वापस आऊंगा, 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। ट्रेलर की शुरुआत पार्टीशन के दौर की यादों के बैकग्राउंड में दिखाए गए। नसीरुद्दीन शाह का किरदार एक अधूरी प्रेम कहानी के दर्द को अपने साथ लिए हुए नजर आता है, जो दशकों से उनके साथ रहा है।

ट्रेलर से पता चलता है कि दिलजीत दोसांझ एक मशहूर यूट्यूबर गुरवीर का किरदार निभा रहे हैं। वह अपने दादाजी (जिनका किरदार नसीरुद्दीन शाह ने निभाया है) को उनकी अंतिम सांसें लेते हुए देखते हैं, जो अपनी बिछड़ी हुई प्रेमिका से मिलने के लिए तरस रहे हैं। वेदांग रैना और शरवरी कहानी में एक यंग कपल का किरदार निभाया है जो एक दिल छू लेने वाली लव स्टोरी लेकर आए हैं।

ट्रेलर में आगे ऐसा लगता है कि दादीजी की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए दिलजीत उस लड़की का पता लगाने पाकिस्तान जाते हैं, जिससे उनके दादाजी पार्टीशन के कारण 78 सालों से नहीं मिल पाए हैं, लेकिन फिर भी उनसे वह आखिरी सांस तक प्यार करते हैं। यह फिल्म दर्शकों को प्यार, दिल टूटने, पुरानी यादों और जुदाई से भरी एक भावुक लव स्टोरी की झलक दिखाती है।

क्या गुरवीर अपने दादी के प्यार को फिर से मिला पाएगा? क्या उसकी दादाजी की प्रेमिका अभी भी जिंदा है? और अगर हां, तो क्या उसे इस अमर प्रेम कहानी के बारे में पता चल पाएगा? खैर, यह जानने के लिए हमें 12 जून तक इंतजार करना होगा।

यह फिल्म मशहूर तिकड़ी ए.आर. रहमान, इरशाद कामिल और इम्तियाज अली के पुनर्मिलन का प्रतीक है, जिनके सहयोग से पिछले कुछ सालों में कई यादगार गानों ने लोगों के दिलों को छूआ है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ, नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी की मुख्य भूमिका में हैं। बिरला स्टूडियोज, अप्लॉज एंटरटेनमेंट और विंडो सीट फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म 12 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

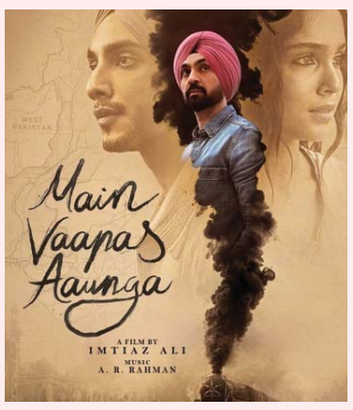

लोगों ने हद कर दी, वायरल इंस्टाग्राम स्टोरी पर नुसरत भरूचा ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री नुसरत भरूचा उस समय अचानक सुर्खियों में आ गईं, जब विराट कोहली की आरसीबी के आईपीएल जीतते ही उन्होंने एक स्टोरी साझा की। उनकी ये इंस्टाग्राम स्टोरी देखते-देखते ही वायरल हो गई। स्टोरी में दिख जरूर आरसीबी की जीत रही थी, लेकिन पीछे आ रही आवाजों ने सुर्खियां बटोरीं और स्टोरी को वायरल कर दिया। इसके बाद इस पर नुसरत को लेकर तरह-तरह के रिएक्शन आने लगे। अब नुसरत भरूचा ने इस वायरल स्टोरी पर पहली बार प्रतिक्रिया दी है और पूरे मामले पर चुप्पी तोड़ी है।

एक पप्पी के रोने से इतना बवाल मचा दिया

नुसरत ने फिर से वो ही वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, 'फिर से पोस्ट कर रही हूं, क्योंकि मैं जानना चाहती हूं कि मेरे पप्पी (छोटे कुत्ते) की आवाजों से क्या दिक्कत है और क्यों इतना बवाल मचा है। कुछ लोगों ने हद ही कर दी है।

एक पप्पी के रोने की आवाज से इतना बवाल मचा दिया। फिर किसी ने मेरी ओर से फर्जी स्पष्टीकरण भी साझा कर दिया। सच ये है कि मैं अपनी एक दोस्त के यहां मैच देख रही थी और वहां एक पप्पी पीछे रो रहा था, जिसकी आवाजें आ रही थीं। यह वीडियो मेरी दोस्त ने उसी समय बनाया।'

नुसरत ने बताई कुत्ते की आवाज

बीते दिन इस घटना के बाद नुसरत सार्वजनिक रूप से नजर आईं, लेकिन इस दौरान भी वो पैपराजी से बचती दिखीं। अब उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई स्पष्टीकरण दिए हैं, जिनमें उस कमरे का एक वीडियो भी शामिल है, जहां कथित तौर पर वह उस दिन मैच देख रही थीं।

उन्होंने लिखा, 'यह वही घर है जहां मैं मैच देख रही थी। यह मेरा पप्पी (छोटा कुत्ता) है। यह उसी रात का कुछ देर बाद का वीडियो है। मुझे डर था कि शायद कुछ हो गया होगा, इसलिए मुझे वह वीडियो डिलीट करने की सलाह दी गई और मैंने कर दिया।

आप लोग अपने बेबुनियाद विचारों पर काबू रखें। मोबाइल फोन होने से उत्पीड़न का अधिकार नहीं मिल जाता। गलत मतलब न निकालें और आंख बंद करके किसी भी बात को सच न मान लें। सोच-समझकर और जिम्मेदारी से काम लें।

मनोज बाजपेयी के साथ इस फिल्म में नजर आएंगी नुसरत

वर्कफ्रंट की बात करें तो नुसरत भरूचा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई फिल्म 'छोरी 2' में नजर आई थीं। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई थी। अब नुसरत अगली बार मनोज बाजपेयी के साथ 'घुसखोर पंडत' में नजर आएंगी। फिल्म के शीर्षक को लेकर विवाद उठने के बाद अब इसे नए शीर्षक के साथ रिलीज किया जाएगा।

किसकी मौत से टूट गई थीं दीपिका पादुकोण?

फिर मेंटल हेल्थ पर बात करने का लिया फैसला; पिता ने किया सपोर्ट

दीपिका पादुकोण खुद डिप्रेशन की शिकार हुई। इस मुद्दे पर उन्होंने खुलकर बात की। यह फैसला दीपिका ने करीबी शख्स की मौत के बाद लिया। हाल ही में इस बारे में उनके पिता प्रकाश पादुकोण ने खुलकर बात की है।

दीपिका पादुकोण डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्या को लेकर बहुत गंभीर हैं। वह लोगों को मेंटल हेल्थ पर बात करने के लिए मोटिवेट करती हैं। खुद भी एक लंबा वक्त उन्होंने डिप्रेशन से जूझते हुए गुजारा है। एक हालिया इंटरव्यू में दीपिका पादुकोण के पिता ने भी एक्ट्रेस की मेंटल हेल्थ की समस्या पर बात की। साथ ही एक्ट्रेस की उस पहल को सराहा, जिसके जरिए वह डिप्रेशन को लेकर अवेयरनेस फैला रही हैं।

पिता ने दीपिका को किया पूरा सपोर्ट

रोड्रिगो कैनेलास के शो 'द समथिंग बिगर शो' में दीपिका पादुकोण के पिता प्रकाश पादुकोण ने दीपिका की मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम का जिक्र किया। वह बताते हैं कि जब बेटी ने अपनी मेंटल हेल्थ से जुड़ी मुश्किलों के बारे में सबके सामने बात करने का फैसला किया, तो उन्होंने और पत्नी उज्जला पादुकोण ने दीपिका को पूरा सपोर्ट किया। प्रकाश पादुकोण कहते हैं, 'अगर इससे दूसरों की मदद हो रही थी, तो हमें इस बात को लेकर कोई दिक्कत नहीं थी, क्योंकि दीपिका ऐसी स्थिति में थी कि लोगों की मदद कर सकती थी। मुझे लगता है कि उन्हें यह बात समझ आ गई थी, इसलिए वह आगे आईं और इस बारे (डिप्रेशन) में बात की।'

दोस्त की मौत के बाद लिया बड़ा फैसला

प्रकाश पादुकोण ने यह भी बताया कि दीपिका ने डिप्रेशन पर बात करने का फैसला अपनी एक दोस्त की मौत के बाद लिया। वह इंटरव्यू में कहते हैं, 'दीपिका की एक दोस्त की मौत हुई और तभी बेटी ने तय किया कि कुछ ऐसा किया जाना चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूक हों। तभी दीपिका ने अपनी फाउंडेशन के बारे में सोचना शुरू किया।'

इन फिल्मों में दिखेंगी दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण के करियर फ्रंट की बात करें तो वह शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी। इसके अलावा साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' में भी दीपिका एक अहम किरदार निभा रही हैं। पर्सनल लाइफ की बात करें तो दीपिका पादुकोण दूसरी बार प्रेग्नेंट हैं।

खाने के अलावा, इन चीजों में फायदेमंद है प्याज

किचन में प्याज का इस्तेमाल आमतौर पर खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। लेकिन, प्याज स्वाद बढ़ाने के अलावा मुंहासों को दूर करने से लेकर ग्रिल की सफाई तक कई चीजों में बहुत फायदेमंद है। आइये आज आपको बताते हैं, किन 9 चीजों में प्याज बहुत काम आता है।

मुंहासों से निजात

आपके चेहरे की चमक को बढ़ाने के लिए भी प्याज काफी असरदार है। प्याज की मदद से आप चेहरे पर निकल आने वाले मुंहासों से छुटकारा पा सकते है। अगर चेहरे पर मुंहासे निकल आए तो प्याज को पीसकर पानी के साथ मिला लें और उसे मुंहासों पर लगाएं। बहुत जल्द फायदा होगा।

मधुमक्खी के डंक से राहत

अगर कभी आपको मधुमक्खी डंक मार दे तो अपनी त्वचा पर एक प्याज मल लें। इसे दर्द कम हो जाएगा।

जंग लगे चाकुओं की सफाई

जंग लगे चाकू पर प्याज मलने से तुरंत जंग हट जाता है।

अपनी ग्रिल को साफ करें

प्याज को दो टुकड़ों में काट लें। इसके बाद एक कांटें में आधे प्याज को पकड़कर ग्रिल पर मलें। थोड़ी देर में ग्रिल साफ हो जाएगी।

जले हुए चावल की गंध को सोखता है

अगर खाना बनाते समय चावल जल जाए तो चूल्हे के पास आधा प्याज रख दें। यह चावल से निकलने वाली गंध को सोख लेगा।

मेटल को पॉलिश करें

प्याज को पीस लें और बराबर मात्रा में पानी मिलाकर उसका मिश्रण तैयार कर लें। इस मिश्रण को एक कपड़े की मदद से जिस धातु को साफ करना है, उसकी सतह पर पोत दें। फिर एक कपड़े की मदद से धातु को मलते रहें। थोड़ी देर में धातु की सतह चमकदार और साफ हो जाएगी।

जलने में राहत

प्याज में ऐंटिबैक्ट्रियल गुण भी पाए जाते हैं और यह जख्म को संक्रमित होने से रोकता है। जलने की स्थिति में एक प्याज मलने से दर्द से राहत मिलेगी।

पेंट की दुर्गंध से छुटकारा दिलाए

घर में पेंटिंग होने के बाद एक दुर्गंध आती रहती है। इस दुर्गंध से छुटकारा पाने के लिए लोगों को महंगे रूम फ्रेशनर खरीदने पड़ते हैं। लेकिन, रूम फ्रेशनर की बजाय अगर आप प्याज का इस्तेमाल करें तो भी आपको गंध से राहत मिल जाएगी।

इसके लिए प्याज को टुकड़ों में काटकर एक डिश में थोड़े-से पानी के साथ रखें। नए पेंट हुए कमरे में रात भर उस प्याज वाली डिश को छोड़ दें। कमरे की दुर्गंध दूर हो जाएगी।

खास खबर

आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा रायगढ़ प्रेस क्लब भवन

रायपुर। वित्तमंत्री ओ.पी. चौधरी ने सुबह डिग्री कॉलेज रोड स्थित निर्माणाधीन प्रेस क्लब भवन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि भवन निर्माण में पत्रकारों की व्यावसायिक आवश्यकताओं, आधुनिक तकनीकी सुविधाओं तथा भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कार्य किया जाए। निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री चौधरी ने भवन के ड्राइंग-डिजाइन, लेआउट, सभाकक्ष, कमरों की संख्या तथा प्रस्तावित सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रेस क्लब केवल एक भवन नहीं बल्कि संवाद, विचार-विमर्श और अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण मंच होता है। इसलिए भवन का निर्माण ऐसा होना चाहिए जो पत्रकारों को बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ विभिन्न आयोजनों के लिए भी उपयोगी सिद्ध हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रेस कॉन्फ्रेंस, सेमिनार और अन्य कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए भवन में साउंड प्रूफिंग, आधुनिक ऑडियो-वीडियो सुविधाएं, व्यवस्थित बैठक व्यवस्था तथा आवश्यक तकनीकी संसाधनों का समावेश किया जाए। साथ ही भवन की संरचना ऐसी हो जो लंबे समय तक टिकाऊ, सुविधाजनक और उपयोगी बनी रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एनएचएआई का पौधरोपण अभियान

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर एवं विभिन्न परियोजना कार्यान्वयन इकाईयों द्वारा प्रदेशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों के विभिन्न खंडों में 500 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी आर. वेंकटेश्वरलु ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, सुरक्षित और संतुलित पर्यावरण मानव जीवन तथा सतत विकास की आधारशिला है।

नील-हरित काई उत्पादन और उपयोग हेतु व्यापक अभियान

दुर्ग। खरीफसीजन में धान उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने तथा मृदा स्वास्थ्य सुधारने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा जिले में नील-हरित काई (ब्लू ग्रीन एल्गी-बीजीए) का उत्पादन एवं उपयोग हेतु प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। किसान भाई अपने घर या खेत की खाली जमीन पर बेहद कम खर्च में 'नील हरित टांका' बनाकर इसे खुद तैयार कर सकते हैं। उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अभियान के अंतर्गत जिले में लगभग 217 नील हरित काई उत्पादन टांकों का निर्माण किया गया है, जहां किसानों को उत्पादन तकनीक एवं उपयोग संबंधी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा रहा है। नील-हरित काई एक प्रकार का जैविक उर्वरक है, जो पानी भरे हुये धान के खेत में तेजी से पनपता है और हवा में मौजूद नाइट्रोजन को सोखकर उसे पौधे के ग्रहण करने योग्य रूप में बदल देता है। प्राकृतिक रूप से भरपूर नाइट्रोजन मिलती है, जिससे रासायनिक खाद पर निर्भरता कम हो जाती है और पैदावार बढ़ जाती है।

पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की जरूरत - मंत्री ओपी चौधरी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा राजधानी रायपुर में आयोजित संगोष्ठी एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव आर. संगीता विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा विकसित सीजी निगरानी पोर्टल, जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन विषयक फिल्म, मंडल की 25 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित लघु फिल्म, मंडल की नवीन वेबसाइट तथा ईको क्लब गतिविधियों पर आधारित स्मारिका का लोकार्पण किया गया।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए ऑनलाइन निगरानी, फ्लाई ऐश एवं खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन में किए गए महत्वपूर्ण सुधार

मंत्री ओपी चौधरी ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि पर्यावरण की रक्षा प्रत्येक नागरिक की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते तापमान, अनियमित वर्षा और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। इन समस्याओं का मूल कारण प्रकृति के साथ असंतुलित विकास मॉडल है। भारतीय संस्कृति सदैव प्रकृति के संरक्षण और उसके साथ सह-अस्तित्व की भावना पर आधारित रही है। यहां नदियों, पर्वतों, वृक्षों और जीव-जंतुओं तक को पूजनीय माना गया है। हमारी परंपरा प्रकृति के उपयोग की बात करती है, शोषण की नहीं।

मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भारत हजारों वर्षों तक विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था रहा, लेकिन उस दौर में पर्यावरण संकट, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसे विषयों पर चर्चा की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि विकास का आधार प्रकृति के साथ संतुलन था। औद्योगिक क्रांति के बाद दुनिया ने जिस विकास मॉडल को अपनाया, वह प्रकृति के अत्यधिक दोहन पर आधारित रहा और आज उसके दुष्परिणाम पूरी मानवता भुगत रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की चुनौती बन चुका है। असामान्य वर्षा, बढ़ती गर्मी, सूखा और बाढ़ जैसी घटनाएं इसका प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। प्रकृति के साथ अन्याय का परिणाम अंततः मानव समाज को ही भुगतना पड़ता है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यावरणीय निगरानी और प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण सुधार किए हैं।

औद्योगिक इकाइयों की चिमनियों से निकलने वाले उत्सर्जन की ऑनलाइन निगरानी के लिए आधुनिक प्रणाली विकसित की गई है, जिससे प्रदूषण स्तर बढ़ते ही विभाग को तत्काल जानकारी मिलती है और त्वरित कार्रवाई संभव हो पाती है। उन्होंने बताया कि फ्लाई ऐश के सुरक्षित परिवहन और निपटान के लिए जीपीएस आधारित ट्रैकिंग प्रणाली लागू की गई है।

नवा रायपुर बनेगा पीपल सिटी

श्री चौधरी ने वृक्षारोपण की वर्तमान पद्धतियों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि केवल औपचारिकता के लिए पौधे लगाने के बजाय स्थानीय और पर्यावरण की दृष्टि से उपयोगी वृक्षों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। पीपल, नीम, आम और अन्य देशी वृक्ष पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि रायपुर कलेक्टर रहते हुए उन्होंने पीपल फॉर पीपल अभियान प्रारंभ किया था। अब नवा रायपुर में 20 हजार से अधिक पीपल के वृक्ष लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में नवा रायपुर को 'पीपल सिटी' के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां किसी भी दिशा में देखने पर पीपल का वृक्ष दिखाई देगा।

खेत बचाओ अभियान के तहत एनआईबीएसएम द्वारा हरी खाद तकनीक का प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। चल रहे खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-एनआईबीएसएम), रायपुर द्वारा ग्राम बिठिया एवं मोहदी के किसानों के लिए हरी खाद के महत्व एवं उपयोगिता पर जागरूकता एवं सजीव प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय ने किसानों के हित में संचालित संस्थान की विभिन्न गतिविधियों, विशेषकर एससीएसपी एवं टीएसपी लाभार्थियों के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा मृदा उर्वरता एवं दीर्घकालिक कृषि उत्पादकता बनाए रखने के लिए टिकाऊ एवं वैकल्पिक कृषि उपायों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक एवं कार्यक्रम समन्वयक ने खेत में हरी खाद हेतु उगाई गई मूंग की फसल को उपयुक्त कृषि यंत्रों की सहायता से मिट्टी में मिलाने का सजीव प्रदर्शन किया। किसानों को बताया गया कि हरी जैविक सामग्री के अपघटन से मृदा में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ती है, पोषक तत्वों की उपलब्धता में सुधार होता है तथा समग्र मृदा उर्वरता में वृद्धि होती है। डॉ. अनिल दीक्षित, संयुक्त निदेशक ने हरी खाद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विभिन्न फसलों का उपयोग हरी खाद के रूप में किया जा सकता है, जिससे मृदा की उर्वरता बढ़ती है, जैविक कार्बन में सुधार होता है तथा मिट्टी को प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि हरी खाद के उपयोग से मृदा स्वास्थ्य एवं जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

कार्यक्रम में ग्राम बिठिया एवं मोहदी के 92 किसानों ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर ग्राम बिठिया के सरपंच श्री दुश्यंत साहू एवं ग्राम मोहदी की सरपंच श्रीमती कावेरी वर्मा भी उपस्थित रहीं। किसानों को मृदा स्वास्थ्य एवं फसल उत्पादकता बढ़ाने के लिए पर्यावरण-अनुकूल एवं जलवायु-सहिष्णु कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित संवादात्मक सत्र में वैज्ञानिकों ने किसानों की कृषि संबंधी जिज्ञासाओं एवं समस्याओं का समाधान किया तथा व्यावहारिक सुझाव प्रदान किए। किसानों ने हरी खाद तकनीक को अपनाने में गहरी रुचि दिखाई तथा इसे मृदा स्वास्थ्य सुधारने एवं टिकाऊ कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण तकनीक बताया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. के.सी. शर्मा एवं डॉ. प्रियंका मीना की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने किसानों की सहभागिता एवं तकनीकी संवाद को सुचारु रूप से संचालित किया। कार्यक्रम के समापन पर वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने का आह्वान करते हुए स्वस्थ मृदा, सशक्त किसान और समृद्ध भारत के लक्ष्य को साकार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

पर्यावरण दिवस पर मार्कफेड में वृक्षारोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड) मुख्यालय, नवा रायपुर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राधिकारी अधिकारी शशिकांत द्विवेदी, प्रबंध संचालक जितेंद्र कुमार शुक्ला और अपर आयुक्त सहकारिता सावित्री भगत ने कार्यालय परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण किया। प्राधिकारी अधिकारी शशिकांत द्विवेदी ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण को कम करने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण आवश्यक है।

प्रबंध संचालक जितेंद्र कुमार शुक्ला ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल करनी चाहिए। अपर आयुक्त सहकारिता श्रीमती सावित्री भगत ने भी पर्यावरण संरक्षण के लिए जन-भागीदारी पर बल दिया। कार्यक्रम में मार्कफेड के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली।

बिहान की महिलाओं को मिली आजीविका गतिविधियों के लिए 19 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोंडागांव जिले के ग्राम बड़ेकनेरा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बिहान से जुड़ी महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आजीविका गतिविधियों के विस्तार एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कुल 19 करोड़ 32 लाख 76 हजार रुपये की ऋण सहायता राशि का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महिलाओं को नई आजीविका गतिविधियां प्रारंभ करने एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनने के लिए शुभकामनाएं दीं।

चेक प्राप्त करने के बाद महिला समूहों की सदस्यों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। यह सहायता राशि जिला प्रशासन एवं जिला पंचायत के मार्गदर्शन में जिला मिशन प्रबंधन इकाई द्वारा संचालित लखपति पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत प्राप्त मांगों के अनुरूप उपलब्ध कराई गई है।

भारत सरकार की लखपति दीदी योजना के तहत संचालित लखपति पखवाड़ा अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करना तथा उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। अभियान के माध्यम से महिला समूहों की आवश्यकताओं का सर्वे कर ऋण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे वे कृषि, पशुपालन, लघु उद्यम एवं अन्य स्वरोजगार आधारित गतिविधियों को प्रारंभ या विस्तारित कर सकें।

लखपति पखवाड़ा अभियान को ग्राम पंचायत स्तर पर चार चरणों में संचालित किया गया। प्रथम चरण में समूह सदस्यों से आजीविका गतिविधियों के लिए मांग प्राप्त की गई। द्वितीय चरण में मांग के अनुरूप संकुल स्तरीय संगठन द्वारा ग्राम संगठनों को राशि प्रदान की गई। तृतीय चरण में ग्राम संगठनों द्वारा संबंधित समूहों को राशि उपलब्ध कराई गई तथा चतुर्थ चरण में समूह सदस्यों को राशि का आवंटन किया गया। जिला प्रशासन के अधिकारियो ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से उन महिलाओं को भी प्राथमिकता दी जा रही है, जो पहली बार किसी आजीविका गतिविधि से जुड़कर अपनी आय बढ़ाने की इच्छा रखती हैं।

मुख्य सचिव ने सीएम हेल्पलाइन में संवेदनशीलता से काम करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्य सचिव विकासशील ने यहां मंत्रालय महानदी भवन में सीएम हेल्पलाइन के संबंध में अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक ली।

उन्होंने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन के जरिये प्राप्त होने वाले शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश हैं। मुख्य सचिव ने सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों के निर्देश दिए है कि सीएम हेल्पलाइन 9 जून 2026 से प्रारंभ की जा रही है। सभी विभागों के सचिवों, विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और जिला कलेक्टरों को सीएम हेल्पलाइन के क्रियान्वयन के संबंध में दिशा-निर्देशों के तहत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु पत्र जारी किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से आमजनों की शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में हो यह सुनिश्चित होना चाहिए। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री एवं सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत ने सीएम हेल्पलाइन के तहत आधुनिक शिकायत प्रबंधन प्रणाली के संबंध में प्रस्तुतिकरण के जरिये विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन हेतु विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता पूर्ण शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। शिकायतों के निराकरण के लिए एल-1 से एल-4 स्तर के अधिकारियों तक स्वचालित रूप से ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को समझाया।

उन्होंने नागरिकों से उनकी शिकायतों के संबंधों में उनकी संतुष्टि का फीडबैक लेने की पारदर्शी प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

लोक भवन में मेडिटेशन शिविर का समापन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका की पहल पर लोक भवन में आयोजित तीन दिवसीय मेडिटेशन शिविर का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर के अंतिम दिन हार्टफुलनेस संस्था के प्रशिक्षकों ने प्रतिभागियों को प्रार्थना के माध्यम से ध्यान की विधि की जानकारी दी तथा ध्यान का अभ्यास भी कराया। शिविर के दौरान लोक भवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी करते हुए मेडिटेशन के विभिन्न पहलुओं को समझा और नियमित अभ्यास के महत्व को जाना। प्रशिक्षकों ने बताया कि ध्यान मानसिक शांति, एकाग्रता और तनाव प्रबंधन का प्रभावी माध्यम है, जिसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर बेहतर कार्यक्षमता और संतुलित जीवन प्राप्त किया जा सकता है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

हितग्राहियों को बांटे गए आयुष्मान कार्ड व प्रमाण पत्र

कलेक्टर ने दिलाई बाल विवाह मुक्त जिला बनाने की शपथ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सुशासन तिहार के अंतर्गत गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (जीपीएम) जिले में नगर पालिका परिषद गौरेला के सामुदायिक भवन में जन समस्या निवारण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। यह शिविर जनसेवा और सुशासन का एक प्रभावी उदाहरण बनकर सामने आया, जहां विभिन्न शासकीय विभागों ने एक ही स्थान पर नागरिकों की समस्याओं का समाधान किया और जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया।

शिविर में आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल बेहद मददगार साबित हुए। निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। परिवहन विभाग द्वारा स्थल पर ही बड़ी संख्या में आवेदकों के लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाए गए, जिससे नागरिकों के समय और संसाधनों की बचत हुई। भारतीय स्टेट बैंक ने वित्तीय साक्षरता शिविर के जरिए लोगों को डिजिटल भुगतान और ऑनलाइन सुरक्षा के गुर सिखाए गए। पुलिस विभाग ने साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपायों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम चलाया। शिविर के दौरान विधायक प्रणव कुमार मरपची, कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन एवं अन्य जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया गया। इसके साथ ही पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड, भवन अनुज्ञा पत्र, चश्मे, नोनी सुरक्षा योजना और सुकन्या समृद्धि योजना के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

बाल विवाह मुक्त समाज का संकल्प

कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने उपस्थित जनसमुदाय को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ और बाल विवाह मुक्त जिला बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि बच्चों के सुरक्षित और उज्ज्वल भविष्य के लिए इस सामाजिक कुरीति का खात्मा बेहद जरूरी है और इसके लिए समाज के हर वर्ग को आगे आना होगा। शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष मुकेश दुबे, उपाध्यक्ष श्रीमती रोशनी तापस शर्मा सहित विभिन्न वार्डों के पार्षद, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

26.400 लीटर महुआ शराब जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। जिले में अवैध शराब के खिलाफचलाए जा रहे अभियान के तहत आबकारी विभाग ने कार्रवाई करते हुए कुल 26.400 लीटर महुआ शराब जब्त की है। कार्रवाई के दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। कलेक्टर के निर्देश एवं सहायक आयुक्त आबकारी क्रिस्टोफर खलखो के मार्गदर्शन में 4 जून को आबकारी वृत्त खरसिया की टीम ने विभिन्न स्थानों पर दबिश देकर यह कार्रवाई की। आबकारी उपनिरीक्षक कुशल पटेल एवं स्टाफ द्वारा की गई इस कार्रवाई में बड़ी मात्रा में अवैध महुआ शराब बरामद हुई। आबकारी विभाग के अनुसार, एडुपुल देहजरी निवासी शंकर नारायण बंजारे के कब्जे से 7 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। वहीं अचानकपुर (डोमनारा) निवासी महेश राठिया के पास से 10.200 लीटर महुआ शराब बरामद हुई। इसी प्रकार अचानकपुर (डोमनारा) की निवासी दमयंती राठिया के कब्जे से 9.200 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। तीनों मामलों में आबकारी टीम ने मौके पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। आबकारी विभाग ने आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया है। विभाग ने कहा है कि अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण एवं तस्करी के खिलाफअभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पहले रेप फिर अपहरण की कोशिश, आरोपी गिरफ़्तार

मुंगेली। मुंगेली पुलिस ने नाबालिग छात्रा को खेत में ले जाकर दुष्कर्म करने तथा दूसरे दिन घर में घुसकर अपहरण का प्रयास करने वाले आरोपी कों गिरफ्तार किया हैं। मामले में आरोपी के खिलाफपॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। मामला लालपुर थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी आशीष सोनवानी पहले छात्रा को लोरमी बस स्टैंड से बाइक पर बैठाकर बिलासपुर रोड के एक खेत में ले जाकर अपने हवस का शिकार बनाया। इसके बाद 3 जून की रात 2 बजे आरोपी पीड़िता के घर में घुसकर उसे जबरन भगाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन परिजनों के जाग जाने पर वह भाग निकला। पीड़िता की लिखित शिकायत पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल के निर्देश में लालपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया और उसने पूछताछ में अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफभारतीय न्यास संहिता की विभिन्न धाराओं और 4 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया हैं।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 15 टन से ज्यादा कोयला जब्त, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कोयला के अवैध भंडारण मामले में दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 15 टन से भी ज्यादा का कोयला बरामद किया जिसकी कीमत 3 लाख रुपए से भी ज्यादा बताई जा रही है। पुलिस को फर्जी जीएसटी बिल दिखाकर गुमराह करने की कोशिश भी की गई। पुलिस की सतर्कता व जीएसटी बिल सत्यापन में बड़ा खुलासा हुआ। फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह तक पहुंची पुलिस, बिल बनाने वाले सहयोगी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफधारा 317 (4), 336(3), 340 (2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई।

जिला दुर्ग पुलिस द्वारा संपत्ति संबंधी अपराधों एवं अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत थाना खुर्सीपार पुलिस एवं एसीसीयू दुर्ग को एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि खुर्सीपार गेट में विजय केसरवानी द्वारा भारी मात्रा में कोयला का अवैध रूप से भंडारण कर चोरी-छिपे बिक्री की जा रही है तथा उससे आर्थिक लाभ अर्जित किया जा रहा है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसीसीयू दुर्ग एवं थाना खुर्सीपार पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए मौके पर दबिश दी गई। जांच के दौरान मुख्य आरोपी विजय कुमार केसरवानी के कब्जे से लगभग 15.530 टन कोयला, व्यापार में प्रयुक्त कांटा तराजू तथा अन्य संबंधित अभिलेख बरामद किए गए। पूछताछ के दौरान आरोपी द्वारा उक्त सामग्री के वैध स्वामित्व एवं स्रोत के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत कर स्वयं को वैध व्यापारी प्रदर्शित करने का प्रयास किया गया।

पुलिस ने मात्र दस्तावेजों पर विश्वास न करते हुए सूझबूझ, तकनीकी विश्लेषण एवं वैज्ञानिक जांच पद्धति का उपयोग करते हुए प्रस्तुत दस्तावेजों का गहन सत्यापन कराया। जांच के दौरान प्रस्तुत जीएसटी दस्तावेजों, परिवहन अभिलेखों एवं अन्य रिकार्ड का संबंधित विभाग से परीक्षण कराया गया, जिसमें दस्तावेज कूटरचित एवं फर्जी पाए गए। आरोपी द्वारा पुलिस को गुमराह कर वास्तविक तथ्यों को छिपाने का प्रयास किया गया था, किंतु पुलिस की सतर्कता, पेशेवर विवेचना एवं प्रभावी जांच के चलते पूरे फर्जीवाड़े का खुलासा हो गया।

विवेचना के दौरान यह तथ्य भी प्रकाश में आया कि फर्जी दस्तावेज तैयार कराने एवं उपलब्ध कराने में अन्य व्यक्तियों की सक्रिय भूमिका रही है। जांच में वित्तीय लेनदेन, डिजिटल भुगतान माध्यमों, मोबाईल संचार एवं अन्य इलेक्ट्रानिक साक्ष्यों का विश्लेषण किया गया, जिससे फर्जी जीएसटी दस्तावेज तैयार करने वाले राजकुमार मिश्रा एवं उसके सहयोगी सुनील शर्मा की संलिप्तता सामने आई। आरोपियों के मध्य हुए लेनदेन एवं आपसी संपर्कों के पर्याप्त साक्ष्य प्राप्त होने पर पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में प्राप्त तथ्यों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इस प्रकरण में कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण में बरामद कोक-कोयले के वास्तविक स्रोत, स्वामित्व, परिवहन व्यवस्था तथा संभावित चोरी अथवा अन्य आपराधिक गतिविधियों से संबंध की जांच अभी जारी है। इस संबंध में विभिन्न विभागों एवं संस्थानों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा रही है। पुलिस द्वारा मामले के प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा इसमें संलिप्त अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

प्रेम संबंध के शक में खूनी वारदातः बाउंसर की आंखों में मिर्च झोंककर पत्थर से हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। कोटा थाना क्षेत्र के पथर्रा गांव में एक सनसनीखेज हत्या ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। 27 वर्षीय बाउंसर निखिल गोस्वामी की कथित प्रेम संबंधों को लेकर हुए विवाद में बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमलावरों ने पहले उसकी आंखों में मिर्च पाउडर फेंका और फिर पत्थर से सिर कुचलकर मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस के अनुसार, निखिल गोस्वामी बिलासपुर के एक बार में बाउंसर के रूप में कार्यरत था। घटना की रात वह अपने दो दोस्तों के साथ अमने मोड़ के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान बाइक पर सवार तीन-चार युवक वहां पहुंचे। बताया जा रहा है कि निखिल ने उनमें से एक युवक को पहचानकर

आवाज लगाई, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक हो गया। आरोप है कि भोला मानिकपुरी और उसके साथियों ने निखिल पर हमला कर दिया। पहले उसकी आंखों और चेहरे पर मिर्च पाउडर फेंका गया, जिससे वह खुद का बचाव नहीं कर सका। इसके बाद आरोपियों ने पास में पड़े बड़े पत्थर से उसके सिर और शरीर पर लगातार वार किए। हमले में गंभीर रूप से घायल निखिल को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उसकी हालत नाजुक देखते हुए उसे रेफर किया, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही एडिशनल एसपी मधुलिका सिंह सहित कोटा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण और लोगों से पूछताछ साक्ष्य जुटाए।

पूछताछ में मृतक के भाई ने पुलिस को बताया कि आरोपी भोला मानिकपुरी की पत्नी और निखिल गोस्वामी के बीच कथित रूप से प्रेम संबंध थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद चल रहा था। कोटा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और मुख्य आरोपी भोला मानिकपुरी सहित अन्य संदिग्धों की तलाश शुरू कर दी है।

करोड़ों की संपत्ति हड़पने की साजिश का खुलासा, पत्नी-साला गिरफ्तार, ससुर फरार

रायगढ़। रायगढ़ जिले के घरघोड़ा में सामने आए इस हाई-प्रोफाइल मामले में पुलिस जांच के बाद पत्नी और साले को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है, जबकि ससुर की तलाश जारी है। मामले ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। शिकायतकर्ता पिंगल कुमार बघेल (41 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 05, छाल रोड, घरघोड़ा, जिला रायगढ़ ने पुलिस को बताया कि वह फेब्रिकेशन, सेंट्रिंग और मीडिया व्यवसाय से जुड़े हैं। वर्ष 2008 में उनका विवाह सीमा यादव उर्फसीमा बघेल (41 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 05, छाल रोड, घरघोड़ा से हुआ था। शिकायत के अनुसार व्यवसाय में आर्थिक प्रगति के बाद उनके ससुर भरतलाल यादव और साले कृष्ण कुमार यादव (39 वर्ष), निवासी पैलपारा वार्ड क्रमांक 14, सारंगढ़ का घर में आना-जाना बढ़ गया।

पिंगल बघेल का आरोप है कि वह रोजाना व्यवसाय से प्राप्त रकम पत्नी को सुरक्षित रखने के लिए सौंपते थे, लेकिन वर्ष 2014 में रकम कम मिलने पर उन्हें संदेह हुआ। इसके बाद उन्होंने घर में सीसीटीवी कैमरे लगवाए। कथित रूप से फुटेज में सीमा बघेल को आलमारी से रकम निकालकर अपने भाई कृष्ण कुमार यादव को देते देखा गया। जांच के दौरान कृष्ण कुमार यादव के बैंक खाते में लगभग 22 लाख रुपये के लेन-देन पाए गए, जबकि वह बेरोजगार बताया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में शिकायत की जांच एसडीओपी धरमजयगढ़ सिद्धांत तिवारी ने की। जांच में चोरी, धोखाधड़ी, गबन और आपराधिक षड्यंत्र के आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने पर थाना घरघोड़ा में अपराध क्रमांक 188/2026 के तहत धारा 61(2), 49, 318(4), 303(2), 316(2) और 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक कुमार गौरव साहू के नेतृत्व में पुलिस ने 4 जून 2026 को सीमा बघेल और कृष्ण कुमार यादव को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

तालाब में डूबने से दो भाइयों की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। बिलासपुर में शुक्रवार को तालाब में डूबने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। दोनों तालाब में नहाते समय गहराई में समां गए। इस हादसे के बाद पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से दोनों के शव को बाहर निकाला। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। दो भाइयों की मौत से परिवार में मातम छा गया। घटना सीपत थाना क्षेत्र की है।

शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे उनके बेटे ऋषभ कुमार खरे (11 वर्ष) और रितेश कुमार खरे (13 वर्ष) अपने दोस्त निहाल के साथ गांव के नए तालाब में नहाने गए थे। नहाने के दौरान दोनों भाई अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

इस दौरान दोनों बच्चों को पानी में डूबते देख निहाल डर गया। वह तुरंत बस्ती तरफ गया और उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी। बच्चों के डूबने की जानकारी मिलते ही परिवार के सदस्य और ग्रामीण तालाब की ओर दौड़े। इस दौरान गांव के जोगीराम सूर्यवंशी समेत अन्य लोग तालाब में कूदकर दोनों बच्चों की तलाश शुरू की। खबर मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई।

घंटों मशक्कत के बाद दोनों बच्चों के शव को पानी से बाहर निकाला गया। दोनों मासूमों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

दादा के दशकर्म में शामिल होने दिल्ली से आया था परिवार

परिजनों ने बताया कि बच्चों के दादा का हाल ही में निधन हो गया है। रविवार को उनका दशकर्म कार्यक्रम आयोजित होना है, जिसमें शामिल होने के लिए किशोर अपने परिवार को लेकर गांव आया है। परिवार के लोग अभी बुजुर्ग सदस्य के निधन के गम से उबर भी नहीं पाया था कि दोनों मासूम भाइयों की मौत ने पूरे परिवार को झकझोर दिया।

दो कारों से 565 किलो गांजा जब्त, तस्कर फरार

श्रीकंचनपथ न्यूज

मनेन्द्रगढ़। जिले में पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो कारों से 565 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 56 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस को देखकर तस्कर दोनों वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गए।

जानकारी के अनुसार पोड़ी थाना अंतर्गत नागपुर चौकी पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र से मादक पदार्थों की बड़ी खेप गुजरने वाली है। सूचना के आधार पर पुलिस ने नाकेबंदी कर वाहनों की सघन जांच शुरू की। इसी दौरान दो संदिग्ध कारें पुलिस चेकिंग प्वाइंट के पास पहुंचीं।

पुलिस बल को देखकर कार सवार तस्करों में हड़कंप मच गया। पकड़े जाने के डर से वे दोनों वाहन सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने तत्काल वाहनों को कब्जे में लेकर तलाशी ली, जिसमें बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में जब्त मादक पदार्थ का वजन कराया गया। जांच में एक कार से 300 किलोग्राम और दूसरी कार से 265 किलोग्राम गांजा मिला। इस तरह कुल 565 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया।

पुलिस ने दोनों कारों और गांजे की खेप को जब्त कर अज्ञात तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर, इंजन और चेसिस नंबर के आधार पर फरार आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई जिले में नशे के खिलाफ हाल के समय की सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक है। पूरे तस्करी नेटवर्क का पता लगाने और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए जांच और सर्च ऑपरेशन जारी है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध शिकार पर वन विकास निगम की बड़ी कार्रवाई बारनवापारा क्षेत्र से एक आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन मंत्री केदार कश्यप के कड़े निर्देशानुसार छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम द्वारा वन्यजीव संरक्षण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अवैध शिकार के एक मामले में बड़ी कार्रवाई की गई है। बारनवापारा परियोजना मंडल के बार परिक्षेत्र (बसना सर्किल, लारीपुर बीट) में दर्ज वन्यजीव अपराध के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज

अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनोहर यादव (उम्र 32 वर्ष), निवासी ग्राम पड़कीपाली के रूप में हुई है। जांच के दौरान मिले पुख्ता साक्ष्यों और तथ्यों

के आधार पर आरोपी की संलिप्तता पाए जाने पर वन विभाग की टीम ने उसे विधिवत गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अपराधों पर जीरो टॉलरेंस की नीति

वन विकास निगम के अधिकारियों के मुताबिक, बारनवापारा परियोजना मंडल क्षेत्र में वन्यजीवों की सुरक्षा और संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। अवैध शिकार, वन्यजीवों के अंगों के अवैध व्यापार और अन्य वन अपराधों को रोकने के लिए क्षेत्र में निरंतर गश्त और विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। निगम ने ऐसे मामलों में जीरो टॉलरेंस (शून्य सहिष्णुता) की नीति अपनाई है और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस प्रकरण में कुछ अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है, जिसके आधार पर आगे और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

नागरिकों से सहयोग की अपील

वन विकास निगम ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे जैव विविधता और वन्यजीवों की रक्षा में अपना सहयोग दें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि वन्यजीवों का शिकार न केवल कानूनन गंभीर अपराध है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण और प्राकृतिक संतुलन के लिए भी बड़ा खतरा है।

रेत के अवैध उत्खनन व परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 5 हाईवा और 6 ट्रैक्टर जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जिले में रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने केवा (नवापारा) एवं हाथनेवरा क्षेत्र में औचक जांच कर बड़ी कार्रवाई की है। खनिज अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान अवैध रूप से रेत परिवहन करते पाए जाने पर कुल 11 वाहनों को जब्त किया गया। जब्त वाहनों में 5 हाईवा एवं 6 ट्रैक्टर शामिल हैं। कार्रवाई के तहत 9 वाहनों को पुलिस लाइन खोखरा तथा 2 ट्रैक्टरों को थाना नवागढ़ में सुरक्षित रखा गया है।

संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र का निरीक्षण भी किया गया। निरीक्षण

के दौरान नवापारा रेत खदान के पहुंच मार्ग को जेसीबी मशीन की सहायता से काटकर अवरुद्ध किया गया, ताकि अवैध खनन एवं परिवहन गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके।

प्रशासन ने बताया कि दर्ज प्रकरणों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21 से 23(ख) के तहत नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने अधिकारियों को जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अभियान को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए लगातार सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए हैं।

दो ट्रेलर भिड़े, केबिन में फंसा हेल्पर

कोरबा। कोरबा के कटघोरा मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को छुरी के पास एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रेलर ने आगे चल रहे दूसरे ट्रेलर को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे वाले ट्रेलर का हेल्पर केबिन में बुरी तरह फंस गया। जानकारी के अनुसार दोनों ट्रेलर कोरबा से कटघोरा की ओर जा रहे थे। पीछे चल रहे ट्रेलर के ड्राइवर ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए आगे वाले ट्रेलर को टक्कर मारी। हादसे के बाद दूसरा ट्रेलर ड्राइवर समेत मौके से फरार हो गया, जबकि घटनास्थल पर राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबसे पहले यातायात को नियंत्रित किया और केबिन में फंसे हेल्पर को निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू किया।

खास खबर

किसान पुत्र ने जेईई एडवांस में 634वां रैंक हासिल कर बढ़ाया जिले का गौरव

सुकमा। एक किसान परिवार के बेटे ने अपनी मेहनत और लगन से बड़ी सफलता हासिल कर पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। झापरा क्षेत्र के निवासी बारसे रोशन ने देश की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस 2026 में कैटेगरी रैंक 634 प्राप्त कर यह साबित कर दिया कि संसाधनों की कमी कभी भी सफलता के रास्ते में बाधा नहीं बन सकती। रोशन के माता-पिता खेती-किसानी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। रोशन ने पढ़ाई को अपना लक्ष्य बनाया। रोशन की उपलब्धि पर जिला कलेक्टर अमित कुमार ने शाल एवं श्रीफल भेंटकर उनका अभिनंदन किया।

सुशासन और विकास का मिल रहा दोहरा लाभ -राजवाड़े

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में आम नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए। श्रीमती राजवाड़े ने 6.09 करोड़ रूपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत भूमिपूजन एवं कार्य प्रारंभ पूजन किया। श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार करते हुए समावेशी विकास के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही। इस आयोजन ने शासन की जनहितैषी सोच और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण को एक बार फिर रेखांकित किया।

'खेत बचाओ अभियान' के तहत एनआईबीएसएम द्वारा हरी खाद तकनीक का सजीव प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। चल रहे खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रैस प्रबंधन संस्थान (आईसीएआर-एनआईबीएसएम), रायपुर द्वारा ग्राम बिठिया एवं मोहदी के किसानों के लिए हरी खाद के महत्व एवं उपयोगिता पर जागरूकता एवं सजीव प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. पीके राय ने किसानों के हित में संचालित संस्थान की विभिन्न गतिविधियों, विशेषकर एससीएसपी एवं टीएसपी लाभार्थियों के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने तथा मृदा उर्वरता एवं दीर्घकालिक कृषि उत्पादकता बनाए रखने के लिए टिकाऊ एवं वैकल्पिक कृषि उपायों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. पंकज शर्मा, संयुक्त निदेशक एवं कार्यक्रम समन्वयक ने खेत में हरी खाद हेतु उगाई गई मूंग की फसल को उपयुक्त कृषि यंत्रों की सहायता से मिट्टी में मिलाने का सजीव प्रदर्शन किया। किसानों को बताया गया कि हरी जैविक सामग्री के अपघटन से मृदा में जैविक कार्बन की मात्रा बढ़ती है, पोषक तत्वों की उपलब्धता में सुधार होता है तथा समग्र मृदा उर्वरता में वृद्धि होती है। डॉ. अनिल दीक्षित, संयुक्त निदेशक ने हरी खाद के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विभिन्न फसलों का उपयोग हरी खाद के रूप में किया जा सकता है, जिससे मृदा की उर्वरता बढ़ती है, जैविक कार्बन में सुधार होता है तथा मिट्टी को प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि हरी खाद के उपयोग से मृदा स्वास्थ्य एवं जलधारण क्षमता में वृद्धि होती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है।

कार्यक्रम में ग्राम बिठिया एवं मोहदी के 92 किसानों ने सक्रिय सहभागिता की। इस अवसर पर ग्राम बिठिया के सरपंच दुश्यंत साहू एवं ग्राम मोहदी की सरपंच कावेरी वर्मा भी उपस्थित रहीं।

एक पेड़ मां के नाम 2025-26 का किया शुभारंभ

विश्व पर्यावरण दिवस पर मुख्यमंत्री साय ने राजीव स्मृतिवन में लगाया बरगद का पौधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित राजीव स्मृति वन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान 2026-27 का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कृष्ण वट (बरगद) का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने भी बेल का पौधा लगाकर अभियान में सहभागिता निभाई।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रकृति और मानव जीवन का संबंध अभिन्न है। अनियंत्रित वृक्ष कटाई और पर्यावरणीय असंतुलन पूरी मानवता के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक प्रेरक और भावनात्मक पहल है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गत वर्ष प्रदेश में ढाई करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन जनसहभागिता और विभागीय प्रयासों से साढ़े तीन करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष भी प्रदेशवासी निर्धारित लक्ष्य से कहीं अधिक पौधारोपण कर नया कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है जहां लगभग 44 प्रतिशत भू-भाग वनाच्छादित है। राज्य सरकार और वन विभाग के सतत प्रयासों से वन क्षेत्र का संरक्षण और विस्तार निरंतर जारी है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपने घर, खेत, आंगन और मेड़ों में अपनी माता के नाम एक पौधा लगाने का आग्रह करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय समुदाय सदियों से जंगलों को अपनी संस्कृति और जीवन का अभिन्न हिस्सा मानकर उनकी रक्षा करता आया है। सरना स्थलों में वृक्षों को देवतुल्य मानकर पूजा जाना प्रकृति के प्रति हमारी सांस्कृतिक आस्था और संरक्षण की भावना का जीवंत उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने पद्मश्री पंडी राम मंडावी, जागेश्वर यादव तथा डॉ. रामचंद्र गोडबोले का सम्मान किया। उन्होंने कहा कि इन विभूतियों का जीवन समाजसेवा, समर्पण और जनहित का प्रेरणादायी उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा प्रकाशित पुस्तकों—'द बैगा', 'वेटलैंड्स ऑफ छत्तीसगढ़', 'फ्लोरल डायवर्सिटी ऑफ बीजापुर डिवीजन', 'मैमल्स ऑफ छत्तीसगढ़' तथा 'उत्तरी छत्तीसगढ़ के अनूठे पर्यटन स्थल और उनकी विविधता'—का विमोचन भी किया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान प्रकृति और मातृत्व के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अनूठा माध्यम है। उन्होंने कोपरा जलाशय को रामसर साइट का दर्जा मिलने पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए इसे छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

भानुप्रतापपुर विकासखंड के ग्राम सिलीबहार की चन्दनबती कोला ने बताया कि स्व-सहायता समूहों द्वारा गांव में 138 एकड़ क्षेत्र में प्राकृतिक एवं जैविक खेती की जा रही है, जिससे युवाओं का पलायन पूरी तरह रुक गया है तथा पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा मिली है।

कार्यक्रम को अपर मुख्य सचिव मनोज पिंगुआ तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक अरुण कुमार पाण्डेय ने भी संबोधित किया। छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परम्परा एवं औषधि पादप बोर्ड के उपाध्यक्ष अंजय शुक्ला, विधायक मोतीलाल साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर राज्यपाल ने लोकभवनों में किया पौध रोपण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका ने यहां रायपुर स्थित लोकभवन परिसर और निर्माणाधीन लोकभवन परिसर नवा रायपुर में पौधे लगाए।

उन्होंने सभी से अपील की कि ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में योगदान करे। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना भी उपस्थित थे।

कौशल विकास : लोरमी के 250 युवाओं को कंप्यूटर, सिलाई और ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोरमी में कौशल विकास प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने युवाओं को जीवन में निरंतर आगे बढ़ने और अपने कौशल को लगातार विकसित करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र में संचालित गतिविधियों का अवलोकन कर प्रशिक्षणार्थियों के अनुभव भी सुने।

श्री साव ने कहा कि स्थानीय युवाओं को उनकी रुचि और आवश्यकता के अनुरूप निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि एसईसीएल के सहयोग से 1 अप्रैल से 250 युवा कंप्यूटर, सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। युवाओं में नए कौशल सीखने को लेकर उत्साह और उमंग दिखाई दे रहा है, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत करता है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि, आज के समय में शैक्षणिक योग्यता ही पर्याप्त नहीं है। पढ़ाई के साथ किसी एक व्यावहारिक कौशल का होना भी अत्यंत आवश्यक है। ब्यूटीशियन, सिलाई, डाटा एंट्री जैसे प्रशिक्षण युवाओं को अतिरिक्त दक्षता प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि, कौशल विकास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ ही उनके व्यक्तित्व को भी सशक्त बनाता है।

श्री साव ने युवाओं से कहा कि प्रशिक्षण पूरा होने के बाद भी सीखने की प्रक्रिया कभी नहीं रुकनी चाहिए। निरंतर अभ्यास और सीखने की प्रवृत्ति ही सफलता का आधार है। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति के पास अतिरिक्त कौशल होता है तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है और वह हर परिस्थिति में सम्मानपूर्वक जीवन जीने में सक्षम बनता है। यही आत्मविश्वास जीवन में आगे बढ़ने की सबसे बड़ी शक्ति है जो सफलता की नई राहें खोलता है।

नैनो उर्वरक से धान की लागत हुई कम, उत्पादन में हुई वृद्धि

रायपुर। कृषि में आधुनिक तकनीकों और नवाचारों को अपनाकर किसान उत्पादन में वृद्धि के साथ खेती की लागत को भी कम करने में सफल हो रहे हैं। महासमुंद जिले के विकासखंड बसना अंतर्गत ग्राम दूधीपाली के प्रगतिशील किसान निरंजन सिदार ने भी विगत वर्ष अपनी धान की फसल में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग कर बेहतर परिणाम प्राप्त किए हैं। श्री सिदार ने बताया कि वे धान की खेती में नैनो डीएपी से बीज उपचार कर खेती की शुरुआत की। इसके बाद फसल की वृद्धि अवस्था में नैनो डीएपी तथा नैनो यूरिया का छिड़काव किया। आधुनिक उर्वरक तकनीक के उपयोग से उनकी फसल में रोग एवं कीटों का प्रकोप अपेक्षाकृत कम देखने को मिला, जिससे फसल स्वस्थ एवं मजबूत बनी रही। धान की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ। उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से खेती की लागत में कमी आई है।

आयुष विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए राज्यपाल और मुख्यमंत्री

नई पीढ़ी को डिजिटल एडिक्शन और पॉपकॉर्न स्टेटस से बाहर आना होगा

- 9 हजार 194 विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधि

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा है कि डिजिटल एडिक्शन आज की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक बनती जा रही है। यह केवल व्यक्ति ही नहीं, बल्कि पारिवारिक और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित कर रहा है। नई पीढ़ी को डिजिटल एडिक्शन और 'पॉपकॉर्न मेंटल स्टेटस' से बाहर निकलने की आवश्यकता है, क्योंकि इससे सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है और केवल कृत्रिम संतुष्टि प्राप्त होती है।

राज्यपाल श्री डेका ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह के अध्यक्षीय उद्बोधन में उक्त बातें कही। समारोह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

समारोह में मेडिकल, डेंटल, आयुर्वेद, होम्योपैथिक, मेडिकल बायोटेक, बीपीपी, एमपीटी, नर्सिंग, बीएएसएलपी सहित अन्य संकायों में 7545 स्नातक और 1645 स्नातकोत्तर एवं 5 सुपर स्पेशयलिटी उपाधि प्रदान की गई तथा विभिन्न संकायों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

राज्यपाल ने कहा कि यदि दृढ़ संकल्प के साथ प्रयास किया जाए तो 30 दिनों के भीतर डिजिटल एडिक्शन से काफी हद तक मुक्ति पाई जा सकती है। बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखते हुए खेल-कूद और बाहरी गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। आज के बच्चे सीमित दायरे में रह रहे हैं, जिससे उनकी प्रतिरोधक क्षमता भी प्रभावित हो रही है।

राज्यपाल ने नवस्नातक चिकित्सकों से कहा कि जिस प्रकार वे राज्यपाल होने के नाते प्रदेश की जनता के हित के बारे में सोचते हैं, उसी प्रकार आपका दायित्व मरीजों के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति समर्पित रहना है। चिकित्सकों के सफेद कोट पर कभी कोई दाग नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आप सभी ने मानवता की सेवा के उद्देश्य से इस क्षेत्र का चयन किया है। कठिन परिश्रम के बाद प्राप्त यह डिग्री आपके जीवन की दूसरी पारी की शुरुआत है। जहां भी कार्य करें, मरीज के हित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें और ऐसा कार्य करें जो देश, प्रदेश और समाज में मिसाल बने।

श्री डेका ने कहा कि वर्तमान समय में नेबरहुड डॉक्टरों की सबसे अधिक आवश्यकता है। पहले फैमिली फिजिशियन की परंपरा थी, जो मरीज और उसके परिवार की परिस्थितियों को भलीभांति समझते थे। चिकित्सा क्षेत्र में उस आत्मीयता को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। किसी भी मरीज के लिए गोल्डन ऑवर अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। ऐसे समय में चिकित्सकों की त्वरित निर्णय क्षमता मरीज का जीवन बचा सकती है।

राज्यपाल ने कहा कि आज के छात्र इंटरनेट युग के विद्यार्थी हैं। विज्ञान निरंतर आगे बढ़ रहा है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिकित्सा क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल रही है। टेलीमेडिसिन जैसी तकनीकों का उपयोग दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

दिया पर्यावरण का संदेश

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों और नागरिकों से 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पशु, मानव और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है और इसके लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना योगदान देना चाहिए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज का दिन केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं है बल्कि समाज और मानवता के प्रति नई दायित्वों के निर्वहन का संकल्प लेने का अवसर है। विद्यार्थियों की सफलता उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के प्रगति और विश्वविद्यालयों की प्रतिष्ठा को दर्शाता है। श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ केवल खनिज और कृषि आधारित राज्य के रूप में ही नहीं बल्कि ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करें।

धार्मिक पर्यटन : अनोखी स्थापत्य कला और इंटरलॉकिंग निर्माण शैली

विलक्षण है घाघरा का झुका हुआ मंदिर, बिना गारा-चूने का जोड़

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। छत्तीसगढ़ की धरती प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहरों से समृद्ध है। इन्हीं अनमोल धरोहरों में शामिल है मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के जनकपुर क्षेत्र के समीप स्थित घाघरा मंदिर। यह प्राचीन मंदिर अपनी अद्भुत निर्माण शैली और रहस्यमयी अस्तित्व के कारण वर्षों से लोगों की जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है। बिना किसी गारा, चूना या सीमेंट के, केवल पत्थरों को आपस में संतुलित (इंटरपिनिंग/इंटरलॉकिंग) कर निर्मित यह मंदिर भारतीय स्थापत्य कला और प्राचीन इंजीनियरिंग कौशल का अद्वितीय उदाहरण है।

जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ से लगभग 130 किलोमीटर दूर स्थित घाघरा मंदिर को देखकर पहली नज़र में ही आश्चर्य होता है। सदियों पुरानी यह संरचना समय, मौसम और कई प्राकृतिक आपदाओं का सामना करते हुए आज भी मजबूती से खड़ी है। मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसके निर्माण में भारी-भरकम पत्थरों को इस प्रकार

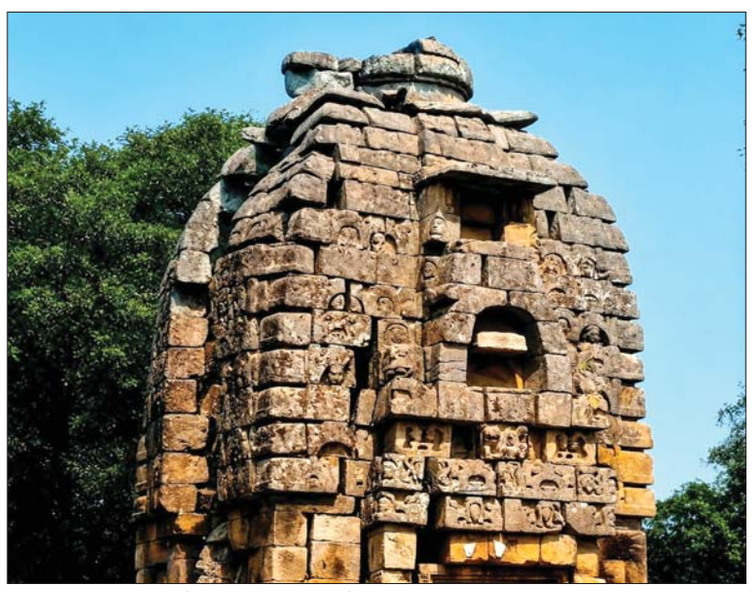

संतुलित किया गया है कि उन्हें जोड़ने के लिए किसी अन्य बाहरी सामग्री की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। यही खूबी इसे देश की अनूठी पुरातात्विक धरोहरों की श्रेणी में खड़ा करती है।

घाघरा मंदिर का एक ओर झुका हुआ होना इसकी सबसे रोमांचक विशेषताओं में से एक है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि किसी समय भूगर्भीय हलचल अथवा तीव्र भूकंप के कारण इसका संतुलन प्रभावित हुआ होगा। इसके बावजूद, आश्चर्यजनक रूप से यह संरचना आज भी पूरी तरह सुरक्षित और स्थिर बनी हुई है, जो प्राचीन शिल्पकारों की अद्वितीय दक्षता को प्रमाणित करती है।

मंदिर के निर्माण काल को लेकर इतिहासकारों के बीच विभिन्न मत हैं। कुछ विद्वान इसे 10वीं शताब्दी की कलाकृति मानते हैं, तो कुछ इसे बौद्धकालीन स्थापत्य से जोड़कर देखते हैं। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह एक प्राचीन शिव मंदिर है, जहां श्रद्धालु विशेष अवसरों पर पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। हालांकि, मंदिर के गर्भगृह के भीतर किसी प्रतिमा का न होना इसके रहस्य को और भी गहरा बना देता है, जो शोधकर्ताओं के लिए आज भी एक पहेली है। घाघरा मंदिर केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की गौरवशाली पहचान का जीवंत प्रतीक है। जनकपुर से इसकी सुगम पहुंच और मार्ग में चारों ओर बिखरी प्राकृतिक सुंदरता यहां की यात्रा को और भी यादगार बना देती है। प्रकृति और इतिहास के इस अनूठे संगम को निहारने के लिए प्रदेश और देश भर से पर्यटक एवं इतिहासप्रेमी लगातार यहां पहुंच रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950